डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 279 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म. प्र.) 07422-490333

बिना छुट्टी के 16 घंटे काम दे रहा स्वास्थ्य को तनाव..!

एक पुलिस वाले के जिम्मे 1300 का जिम्मा

20 फीसदी पुलिस वाले किसी न किसी बीमारी की चपेट में

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। काम के लोड और तनाव की बात करें तो इस समय सबसे ज्यादा स्थिति खराब है पुलिस विभाग की। 16 घंटे की ड्यूटी, इसके बाद कोई साप्ताहिक अवकाश नहीं। सरकार की घोषणा के बाद भी स्टॉफ की कमी से जूझ रहे पुलिस विभाग में साप्ताहिक अवकाश शुरु नहीं हो पाया। इसका परिणाम पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य और मानसिक तौर पर सीधे पड़ रहा है। स्वास्थ्य शिविर में भी में कई बार यह साबित हो चुका है। स्थिति यह है कि जिले की 15 लाख की आबादी के मान से भी देखा जाए तो 1300 पुलिस वालों की जिम्मेदारी है। सुरक्षा व्यस्था के अलावा अन्य कामों का बोझ अलग उठाना पड़ रहा है।

बंद हुआ साप्ताहिक अवकाश...

कुछ समय पहले साप्ताहिक अवकाश की परंपरा शुरु हुई थी। लेकिन, कुछ माह बाद इसे भी बंद कर दिया गया। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तत्कालीन सीएम शिवराजसिंह चौहान ने जुलाई 2023 में वीकली ऑफ की घोषणा कर सिस्टम लागू किया था। लेकिन, अक्टूबर 2024 आते-आते छुट्टियां मिलना बंद हो गई। इसके पहले कमलनाथ सरकार के वक्त भी सिस्टम लागू होने के कुछ समय बाद छुट्टियां देना बंद कर दी थी। मंदसौर-नीमच जिलों में पदस्थ आरक्षक, प्रधान आरक्षक स्तर के पुलिसकर्मियों का कहना है कि वरिष्ठों ने थानों में स्टाफ की कमी बताई। इस कारण प्रतिदिन ड्यूटी कर रहे हैं।

20 प्रतिशत किसी न किसी रोग से ग्रसित...

स्वास्थ्य शिविरों में सामने आया है कि 20 फीसदी पुलिसकर्मी किसी न किसी रोग से ग्रस्त है। इनमें से किसी को हार्ट प्रॉब्लम, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटिज, लिवर समस्या, घुटनों में दर्द, नेत्र और श्वास संबंधी परेशानियां सामने आई थी। कुछ को उम्र के मान से ये समस्याएं हुई हैं।

यह है जिले में पुलिस स्टॉफ की स्थिति...

पुलिस महकमे में पदोन्नति का नया पैमाना बनाया गया है। जिसमें सेवा अवधि के मापदंडों के तहत आरक्षकों को कार्यवाहक प्रधान आरक्षक बनाया गया। इसी तरह कांस्टेबल को कार्यवाहक एएसआई व बढ़ते क्रम में कार्यवाहक एसआई व कार्यवाहक इंस्पेक्टर जैसी पोस्ट तक दी गई। इसके चलते निचले स्तर पर आरक्षक पदों की कमी हो गई व अन्य पदों पर भी असर दिखा। खास बात ये है कि प्रदेश में सब इंस्पेक्टर पदों पर भर्ती 2017 में हुईथी। हालांकि, अब हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है।

जिले की बात करें तो मंदसौर में वर्तमान में थानों व पुलिस लाइन समेत 20 इंस्पेक्टर हैं। इनमें से 15 तो पुलिस थाने संभाल रहे हैं व कुछ रिजर्व बल में हैं। इसी तरह वरिष्ठ पदों में एसपी, 2 एएसपी, 4 एसडीओपी, शेष संख्या में एसआई, एएसआई, हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल मिलाकर संख्या 1150 तक है।

सर्वे में आया था यह सामने...

प्रदेश में पुलिसकर्मियों को लेकर सर्वे कराए गए थे। जिसमें पुलिसकर्मियों को सप्ताह में एक दिन अपने परिवार को समय देना जरूरी बताया गया था। दरअसल थानों में स्टाफ रोज 12 से 14 घंटे तक काम करता है। बीते सालों में प्रदेश के कई जिलों से मानवाधिकार आयोग तक अवकाश दिए जाने व पुलिस बल बढ़ाने जैसे बिंदू पहुंच चुके हैं।

इन कामों के बोझ तले पुलिस...

पुलिस को अपराध की जांच, कानून व्यवस्था से जुड़ी ड्यूटी, सूचनाएं जुटाने के साथ पेट्रोलिंग भी करनी पड़ती है। पुलिसकर्मियों को वीआइपी ड्यूटी और त्योहारों व विशेष आयोजनों के दौरान व्यवस्था की देखरेख में भी लगाया जाता है। साथ ही पुलिसकर्मियों को अदालत से जुड़े जटिल काम भी करने होते हैं।

कैलास मानसरोवर: कल मंदसौर से रवाना होंगे दो यात्री

नीरज अग्रवाल और रामगोपाल कुमावत करेंगे दुर्गम यात्रा

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर से कैलास मानसरोवर की यात्रा एवं परिक्रमा के लिये कल 26 जुलाई शनिवार को दो यात्री रवाना होंगे। दोनो यात्री नेपाल के रास्ते पहले मानसरोवर की परिक्रमा कर उसमें स्नान करेंगे और फिर दारचेन पहुंचकर वहां से यम द्वार के रास्ते कैलास परिक्रमा करेंगे।

मंदसौर के निवासी नीरज पिता राजेन्द्र अग्रवाल और श्री रामगोपाल कुमावत मंदसौर से श्री कैलास मानसरोवर यात्रा के लिये प्रस्थान करेंगे। वे 26 जुलाई शनिवार को शामगढ़ से ट्रेन द्वारा दिल्ली पहुंचेंगे। जहां से फ्लाईट द्वारा काठमांडू पहुंचेंगे। दो दिन काठमांडू में स्टे करने के बाद 30 जुलाई को काठमांडू से कोडारी ब्रिज, ज्योरोंग होते हुए डोंगाबा सांगा जाएंगे। डोंगाबा सांगा से अगले दिन मानसरोवर लेक के लिए निकलेंगे। मानसरोवर झील की परिक्रमा करने के पश्चात वहां स्नान एवं पूजन करने के बाद रात्रि विश्राम करेंगे। वहां से तिब्बत के दारचेन जाएंगे। दारचेन में रात्रि विश्राम कर सुबह जल्दी यमद्वार के रास्ते डेराफूंक के लिये रवाना होंगे। बता दें कि दारचेन कैलास मानसरोवर यात्रा का बेस कैंप है। डेराफूंक में रात्रि विश्राम कर रात्रि में 02 बजे डेराफूंक से रवाना होकर 18 हजार 600 फीट पर डोल्मा पास होकर गौरी कुंड के दर्शन कर करीब 22 किलोमीटर चल कर जुनझुई पू पहुंचेंगे। कैलास परिक्रमा का यही दिन सबसे कठिन माना जाता है। जुनझई पू से दूसरे दिन सुबह 06 किलोमीटर चलकर फिर बस या कार द्वारा दारचेन पहुंचेंगे। यहां से पुनः तकलाकोट होकर तिब्बत से नेपाल होकर मंदसौर आएंगे। दोनो यात्रियो को उनके ईष्ट मित्रो सहित परिजनो ने यात्रा की अग्रीम शुभकामनाएं दी हैं। गुरु एक्सप्रेस भी सफल यात्रा की कामना करता है।

यातायात पुलिस एक्टिव :38 वाहनों पर 19 हजार का जुर्माना

डेढ़ सौ स्कूल वाहन जांचे, स्कूल बसे, टेम्पो, मेजिक वाहन तथा रिक्शा किये चेक

जिम्मेदार पुराने आरटीओ स्थित दुकान पर दिन भर गप्पे मारते रहे

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। यातायात पुलिस ने गुरुवार को स्कूली वाहनों की चेकिंग की। कथित रूप से करीब डेढ सौ वाहनों को चेक किया गया। जिसमें 38 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 19 हजार रुपए का चालान बनाया गया। जबकि, शहर सहित अंचल में वाहनो की जांच के लिये बनाए गए विभाग के जिम्मेदार गुरुवार को दिन भर पुराने आरटीओ के सामने स्थित दुकान पर गप्पे लड़ाते रहे। आरटीओ के जिम्मेदारो की नींद कोई बड़ी दुर्घटना होने पर ही खुलती है। यही कारण है कि सेवानिवृत्ति के करीब आ चुके अधिकारी आरामतलब हो गये है!

यातायात पुलिस ने बताया कि शहर में अलग अलग टीमें बनाकर स्कूल वाहनों की चेकिंग का अभियान चलाया गया। चैकिंग के दौरान शहर में प्रतापगढ़ पुलिया, बीपीएल चौराहा एवं शहर के अन्य चौराहो पर चेकिंग की गई। इसमें बसें, मैजिक वाहन, ऑटो, टैंपो मिलाकर कुल 145 वाहनों को चेककिया गया। इसमें कुल 25 स्कूल बसे, 30 टेम्पों, 25 मेजिक वाहन एवं 65 आटो शामिल है।

चेकिंग के दौरान सही दस्तावेज पाए जाने वालों को समझाईश देकर रवाना किया। जिन वाहनों में अपूर्ण दस्तावेज व स्कूली वाहन चालकों द्वारा निर्धारित यूनिफार्म में नहीं होने से चालानी कार्यवाही की गई। जिसमें 38 वाहनों के चालान बनाये जाकर समन शुल्क राशी 19 हजार रुपये प्राप्त किये गए।

प्रतापगढ़ में भूकंप से मची अफरा-तफरी

रात को तनाव में आए लोग, प्रशासन ने जारी की अपील

प्रतापगढ़/मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राजस्थान और मध्यप्रदेश की सीमा पर बुधवार तड़के धरती कांप उठी। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के धमोतर, कुलमीपुरा, बोरी, टांडा सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में देर रात अचानक आए तेज भूकंप के झटकों ने लोगों की नींद उड़ा दी। कंपन इतना जबरदस्त था कि घरों में लगे पंखे, लाइटें, खिड़कियां और दीवारें तक हिलने लगीं। दहशत में आए ग्रामीण चीख-पुकार करते हुए घरों से बाहर भाग निकले। कई स्थानों पर अफरा-तफरी मच गई।

सीसीटीवी में कैद कंपन...

भूकंप के झटके इतने तीव्र थे कि एक ग्रामीण के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी दीवारों और लाइटों का हिलना साफ तौर पर रिकॉर्ड हो गया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और पूरे जिले में दहशत का माहौल बना हुआ है। कई लोग अब भी रात का मंजर याद कर सिहर उठते हैं।

सोशल मीडिया पर झटकों की चर्चाएं...

घटना के तुरंत बाद क्षेत्र के कई गांवों में झटकों की चर्चा ने व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया को गरमा दिया। लोग एक-दूसरे से कंपन की तीव्रता, समय और अनुभव शेयर करते नजर आए। इस बीच मौसम विभाग ने भी अलर्ट जारी करते हुए बताया कि रात 12 बजे से सुबह 4:30 बजे तक दोबारा भूकंप के झटके आ सकते हैं, जिससे ग्रामीण और भी दहशत में गए। कई परिवार तो पूरी रात घर के बाहर खुले में ही बैठे

पहली बार ऐसा महसूस किया...

धमोतर, बोरी, टांडा, कुलमीपुरा सहित अन्य गांवों के ग्रामीणों का कहना है कि जीवन में पहली बार इतना जबरदस्त कंपन महसूस किया। घर की दीवारें हिल रही थीं, पंखे झूलने लगे थे, खटिया तक कांप रही थी, हम सब तुरंत बाहर भागे। बच्चे रोने लगे और बुजुर्गों की तबीयत भी बिगड़ गई।

प्रशासन की अपील - सतर्क रहें, घबराएं नहीं...

भूकंप की खबर फैलते ही जिला कलेक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया ने तुरंत एडवाइजरी जारी करते हुए जिलेवासियों से सतर्कता और संयम बरतने की अपील की है। कलेक्टर ने बताया कि भूकंप की स्थिति में आमजन सावधानियों का पालन करें।। उन्होंने यह भी बताया कि भूकंप के बाद संभावित आफ्टरशॉक्स के प्रति सजग रहें और आवश्यकता होने पर तुरंत सुरक्षित स्थान की ओर जाएं। उन्होंने कहा कि कोई घबराए नहीं जिला प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है एवं किसी भी आपातकालीन परिस्थिति के लिए समस्त विभागों को सतर्क कर दिया गया है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें तथा केवल प्रशासनिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें। किसी भी आपदा की स्थिति व सहायता हेतु जिला कंट्रोल रूम 01478-222333 एवं 01478-220400 और पुलिस कंट्रोल रूम 9530436498 पर संपर्क करें।

पत्नी नहीं आई तो ट्रेन के सामने कूदा, मौत

नीमच, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के एक 32 वर्षीय व्यक्ति ने मालगाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। बीती रात 09 बजे जमुनियाकला गांव में यह घटना हुई। सुनील प्रजापति की शादी तीन साल पहले हेमलता प्रजापति से हुई थी। पति-पत्नी के बीच कुछ समय से विवाद चल रहा था। हेमलता पिछले एक माह से ग्वालटोली स्थित अपने मायके में रह रही थी। इस दौरान ससुराल पक्ष सुनील को परेशान कर रहा था। सुनील 21 तारीख को पत्नी को लेने गया। वहां विवाद हुआ। सोमवार को वह फिर पत्नी को लेने गया। पत्नी ने आने से मना कर दिया। मंगलवार शाम 8 बजे सुनील घर से निकला। एक घंटे बाद उसने नीमच से हरखियाखल जा रही मालगाडी के आगे कूदकर जान दे दी। रेलवे विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। सुनील को बड़े अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक शहर में वेल्डिंग का काम करता था। दोपहर में युवक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमपीईबी: बिजली कंपनी नहीं देगी एक से ज्यादा कनेक्शन और सब्सिडी

भोपाल/मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। एक ही परिसर में रहने वाले अलग-अलग परिवार इन दिनों बिजली के भारी बिल से परेशान हैं। एक ही बिजली मीटर होने के कारण हाइस्लैब में बिल बन रहा है। कंपनी ने मार्च 2025 के बाद एक परिसर में एक ही कनेक्शन तय कर दिया है। अब लोग बिल लेकर कंपनी के ऑफिस पहुंच रहे हैं। कंपनी को लगता है कि लोग एक ही परिसर में बेवजह अलग कनेक्शन लेकर सरकार की 150 यूनिट तक मिलने वाली सब्सिडी का लाभ उठा रहे हैं। इन दिनों ई व्हीकल समेत एसी व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं, जिन्हें दूसरे कनेक्शन से चलाया जा रहा है। जिसकी जानकारी मिलने के बाद मार्च 2025 से इस पर रोक लगा दी। इस निर्णय से सबसे ज्यादा परेशान वे लोग जो एक ही परिसर में अलग-अलग रहते हैं। जिन घरों में किराएदार हैं वे भी परेशान हैं। एक ही मीटर से सभी बिजली लेते हैं तो बिल 10 से 12 रु. प्रति यूनिट की दर से पड़ता है।

मंत्री बोले, समीक्षा करेंगे- इस मामले में मंत्री प्रद्युन सिंह का कहना है कि एक ही परिसर में कई मीटर से बिजली का अवैध उपयोग हो रहा था। अब एक बार फिर से इसकी समीक्षा कर लेंगे। यदि संभव होगा तो विचार करेंगे।

मारपीट से पुलिस हिरासत में मौत का आरोप

450 ग्राम एमडी के मामले में नारकोटिक्स विंग ने पकड़ा था

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस की नारकोटिक्स विंग की हिरासत में एक आरोपी की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। उज्जैन जिले के उन्हेल के समीप स्थित ग्राम पिपलिया सिरसी से आरोपी महिपाल को 450 ग्राम मादक पदार्थ एमडी के साथ बुधवार रात गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद नारकोटिक्स विंग उसे कस्टडी में लेकर मंदसौर लाई। यहां उसकी तबीयत अचानक खराब हुई तो उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। मृतक के चाचा जुझार सिंह का आरोप लगाया है कि महिपाल से नारकोटिक्स विंग की हिरासत में मारपीट की गई। वह बुधवार शाम 05 बजे खेत जाने की बात कहकर घर से निकला था। लेकिन, गुरुवार सुबह 06 बजे नारकोटिक्स टीआई का फोन आया कि वह हिरासत में है। हम तुरंत मंदसौर पहुंचे। यहां महिपाल की मौत की जानकारी दी गई।

पकड़े जाने के वक्त मिली थी 450 ग्राम एमडी...

नारकोटिक्स अधिकारियों के अनुसार, महिपाल के पास से 450 ग्राम एमडी जब्त की गई थी। गिरफ्तारी की कार्रवाई मंदसौर नारकोटिक्स विंग ने की थी। हालांकि, पूरे मामले पर अब तक कोई भी अधिकारी सार्वजनिक रूप से बयान नहीं दे रहा है।

लंग्स और पेट में इन्फेक्शन था...

नारकोटिक्स विंग डीएसपी आरके चतुर्वेदी ने बताया कि बुधवार रात महिपाल को 450 ग्राम एमडी के साथ पकड़ा गया था, उसे कार्यवाही के लिए नारकोटिक्स प्रकोष्ठ लेकर आए, तभी उसे उल्टी हुई और तबीयत बिगड़ गई। आरोपी को हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। यहां रूटीन जांच में पता चला कि आरोपी को लंग्स और पेट में इन्फेक्शन है। गुरुवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी महिपाल पूर्व में भी 300 ग्राम ड्रग्स स्मैक के साथ गिरफ्तार हो चुका है, जिसमें उसे 12 साल की सजा हुई थी।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चलेगी मौत की असली वजह...

परिजनों द्वारा मारपीट के आरोप लगाने को लेकर डीएसपी ने कहा कि पुलिस कस्टडी में उसकी मौत हुई है तो आरोप लगाए जा रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में क्लियर हो जाएगा कि आरोपी के साथ किसी प्रकार की कोई मारपीट नहीं की गई है। परिजन पोस्टमॉर्टम रतलाम जिले में करवाने की मांग पर अड़े हैं, यह कोर्ट का विषय है। न्यायपालिका डिसाइड करेगी कि पोस्टमॉर्टम कहां होगा।

हरियाली अमावस्या पर शिव मंदिरों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

खूब बिके मालपुए, चारों तरफ हरियाली नजर आई

हरिहर धाम में महादेव का विशेष श्रृंगार किया गया।

हरियाली अमावस्या पर जमकर मालपूए बिके।

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिलेभर में गुरुवार को हरियाली अमावस्या की धूम रही। प्रकृति के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए मनाए जाने वाले इस त्यौहार का मालवा में अपना विशेष महत्व होता है। हरियाली अमावस्या हो और मालपुए ना हो ऐसा तो हो ही नहीं सकता है। श्रावण माह की हरियाली अमावस्या के दिन हर घर में मालपुए बनाए जाते हैं और भगवान को इसका भोग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि साल में एक बार बनने वाली इस मिठाई मालपुए का भोग अगर भगवान को लगाया जाए तो भरपूर धन्य धान की प्राप्ति होती है। इसके अलावा शिव मंदरों में भक्तों का सैलाब भी उमड़ा। सभी मंदिरो में भगवान शिव शंकर का दुर्वा अभिषेक कर हरे फल, पत्तो से श्रृंगार किया गया।

गुरुवार को शहर सहित अंचल में जगह-जगह मालपुए के स्टाल सजे हुए रहे। मिठाई की दुकानों पर सिर्फ मालपुए ही बनाए गए। बल्कि देशी घी के मीठे मालपुए से लेकर रबड़ी के मालपुए की खासी डिमांड रही। बता दे कि श्रावण माह की इस हरियाली अमावस्या को लोग घरो में भी पकवान के रूप में मालपुए बनाते हैं। मान्यता है की श्रावण माह में प्रकृति अपने चारों और हरियाली बिखेरती है। परंपरा के अनुसार धरती मां को इसके बदले प्रसाद के रूप में मालपुए का भोग लगाया जाता है। ताकि धरती मां ऐसे ही धनधान्य से भंडार भरती रहे। इस वर्ष भी प्रकृति खूब मेहरबान है। झमाझम हुई बरसात ने चारो और हरियाली ही हरियाली बिखेर दी है। लिहाजा लोग भगवान को मालपुए का भोग लगाकर खुशियां मनाते हैं।

शंकर मंदिरों में विशेष श्रृंगार...

हरियाली अमावस्या को हरियाली अपने यौवन पर होती है। प्रकृति में चारों और हरियाली ही हरियाली होती है। इस अवसर पर भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव का विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों, पुष्प लताओं से आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर भगवान को मालपुए का भोग लगाया गया। सुबह से ही विश्व प्रसिद्ध श्री पशुपतिनाथ मंदिर पर भक्तों की भीड़ लगी रही, रात तक उत्साह रहा। राम मोहल्ल स्थित श्री मंशापूर्ण महादेव मंदिर से जुलूस भी निकला। हरियाली अमावस्या के अवसर पर चंदवासा के समीप धर्मराजेश्वर, गरोठ क्षेत्र के पोलाडुंगर महादेव एवं सीतामऊ में मोडी माता मंदिर पर आयोजित हुए मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचे। इसके साथ ही जिलेभर में शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा।

अभिनंदन परिक्षेत्र स्थित श्री हरिहर धाम में भगवान हरिहर महादेव का विशेष श्रृंगार किया गया। दुर्वा व हरे पत्तो से भगवान का श्रृंगार कर मालपुए का भोग लगाया गया। लघुरुद्र अभिषेक कर भगवान की महाआरती की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के श्रृद्धालुजन उपस्थित रहे।

विचार-मंथन

क्या यही है 21वीं सदी का विकास...?

दुनिया भर में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं। इसी का दंभ भरकर किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे भी किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही है? समाज के समग्र उत्थान का तत्त्व विकास की इस धारा में कहां है? यह कैसा विकास है कि एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के बूते खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का राग अलाप रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी के कारण अपने शरीर की ताकत भी खो रहे हैं। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन की 'वैश्विक खाद्य संकट' पर एक हालिया रपट में किए गए खुलासे चिंताजनक है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में उलझा हुआ है। संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर ज्यादा कठिन हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है। भुखमरी के कई कारण हो

सकते हैं, जिनमें दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख हैं।इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध के दौरान प्रभावित लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने पर रोक लगा देने की खबरें भी आती रहती हैं। इस तरह के प्रयास वास्तव में मानवीय संवेदनाओं के दम तोड़ देने की ओर इशारा करते हैं। महंगाई और बेरोजगारी से उपजी विकट आर्थिक स्थितियां भी भुखमरी के लिए जिम्मेदार हैं। रपट में कहा गया है कि इन दोनों कारणों से पंद्रह देशों में 5.94 करोड़ लोगों का जीवन संकट में है। इसके अलावा, सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। इस पर तुर्रा यह है कि इन लोगों को खाद्य एवं पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में भी भारी गिरावट आई है। ऐसा लगता है कि वैश्विक मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सांसें धीरे-धीरे उखड़ रही हैं। ऐसे में जबरन विस्थापन भुखमरी के संकट को और बढ़ा रहा है। 21वीं सदी में भी अगर भुखमरी की समस्या विकराल होती जा रही है, तो यह व्यवस्था के साथ-साथ मानवता के लिए भी खतरे की घंटी है। इस समस्या से निपटने के लिए जरूरी है कि संकटग्रस्त इलाकों में स्थानीय खाद्य प्रणालियों और पोषण सेवाओं में निवेश पर जोर दिया जाए। समय आ गया है कि विभिन्न देशों की सरकारें जनकल्याण की योजनाओं की व्यापक समीक्षा करें और भुखमरी को दूर करने के लिए उचित एवं प्रभावी उपाय किए जाएं। खाली पेट के सवाल का जवाब खाली हाथों और पीठ फेरकर नहीं दिया जा सकता।

एसआईआर की आंच से तपने लगा पश्चिम बंगाल

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। विपक्ष लगातार एसआईआर का विरोध कर रहा है। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में भी एसआईआर के विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। एसआईआर का मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अभियान की टाइमिंग को लेकर प्रश्न अवश्य उठाए हैं। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। पश्चिम बंगाल में जहां तृणमूल कांग्रेस एसआईआर को लेकर बेचैन है तो वहीं कांग्रेस असम को लेकर चिंतित है। गैर भाजपाशासित कई राज्यों से विरोध की आवाज उठने लगी है। हालांकि विरोध का सबसे ऊंचा स्वर पश्चिम बंगाल से सुनाई दे रहा है, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे। बीती 21 जुलाई को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में एसआईआर जैसी कवायद करने की योजना बना रही है, इसे कभी अनुमति नहीं दी जाएगी। वास्तव में, ममता के निशाने पर भारतीय जनता पार्टी है। एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र का विषय है। सब कुछ जानते बूझते हुए भी ममता एसआईआर को लेकर भाजपा पर राजनीतिक बाण

चला रही हैं। भला एसआईआर करवाने या न करवाने से भाजपा का क्या संबंध? सोचिए, पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभी शुरू भी नहीं हुआ, और ममता बनर्जी ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। इसी से तृणमूल कांग्रेस की बेचैनी को समझा जा सकता है। ममता बनर्जी का सार्वजनिक मंच से यह कहना कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीधे तौर पर चुनाव आयोग को धमकी के साथ संविधान और संवैधानिक संस्था का अपमान भी है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के मन में आदर का भाव बचा ही नहीं है। सीबीआई के अधिकारियों को बंधक बनाने से लेकर ईडी के अधिकारियों पर प्राणघातक हमले में प्रदेश सरकार और तृणमूल कांग्रेस की भूमिका जगजाहिर है। अभी हाल ही में संसद द्वारा पारित वक्फ बिल के विरोध में ममता ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होने देंगे। भला कोई संविधान के तहत निर्वाचित सरकार और मुख्यमंत्री ऐसे कैसे गैरजिम्मेदाराना संविधान विरोधी बयानबाजी कर सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार ने नियम कानून और संविधान को शायद खूंटी पर टांग रखा है। ममता बनर्जी एसआईआर को एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से भी ज्यादा खतरनाक बता चुकी हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बीती 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है।' संसद के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन किया है। तृणमूल कांग्रेस के अलावा कांग्रेस, राजद, सपा और विपक्ष के अन्य दल इस विरोध में शामिल हैं। राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि पिछले 14 वर्षों में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में व्यवस्थित रूप से घुसपैठ कराई है। बीते मार्च पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को ऑडिट और मतदाता सूची संशोधन की जरूरत से अवगत कराते हुए बताया था कि पश्चिम बंगाल में 13 लख से अधिक फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता हैं। बीते जून को भाजपा ने दावा किया कि बंगलादेश से जुड़े कोटा सुधार आंदोलन के नेता न्यूटन दास का नाम काकद्वीप विधानसभा इलाके के वोटर लिस्ट में है। तृणमूल ने आरोपों से इनकार किया है। बीते दिनों मालदा जिले के गाजोल के एक गांव में ऐसा मामला सामने आया है, जहां इलाके में एक भी अल्पसंख्यक व्यक्ति नहीं रहता, वहां दो अपरिचित और कथित अल्पसंख्यक वोटरों के नाम नये मतदाता सूची में शामिल पाये गये हैं। इसे लेकर भाजपा विधायक चिन्मय देव बर्मन ने अवैध घुसपैठ और फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप लगाया है। बीती जून को सिलीगुड़ी में फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने किया था।

प्रेम अब निश्छल नहीं रहा, मतलब की बात बन गया है

रितुप्रिया शर्मा

सदियों पहले कबीर ने कहा था कि 'ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय'। ये सुनने में भी अच्छा है और समझने में तो इसके विस्तार का कोई अंत ही नहीं है। यह अवधारणा हम सभी भली-भांति जानते हैं कि हर एक विवाद या समस्या के समाधान की कोशिशों में अगर प्रेम की भावना आ जाए तो विवाद अपने आप ही समाप्त हो जाता है। हम जिस समाज में रहते हैं, मनुष्य ने इस प्रेम के कई रूप बनाए हैं, उन्हें ग्रहण किया है। वह चाहे स्त्री-पुरुष का प्रेम हो, मां-बच्चे, बहन-भाई या फिर मित्रवत प्रेम आदि। ये सभी अपने-अपने प्रेम से बंधे हुए हैं। प्रेम की अनगिनत परिभाषाएं हैं और रूमानी लेखकों और कवियों ने तो इसको आसमान की ऊंचाई तक भी पहुंचाया है। चाहे मनोवैज्ञानिक इसे किसी भी रूप में समझे, लेकिन यह एक अद्भुत मानवीय संवेदना है। कितना ही निर्लिप्त मनुष्य क्यों न हो, प्रेम कभी न कभी अपने किसी रूप में उसे अपने-आप में लपेट ही लेता है। विडंबना यह है कि जिस तेजी के साथ हमारा समाज आगे बढ़ने के दावे करता रहा है, उतनी ही तेजी से संवेदनात्मक डोर कमजोर होती गई है। आज हालत यह है कि चारों ओर भरी-भरी दुनिया में मनुष्य के बीच विशुद्ध प्रेम मिलना मुश्किल दिखने लगा है। यह जगजाहिर है कि भौतिकता का यह दौर हमें लीलता जा रहा है। इसने न केवल हमारी भावनाओं को काबू में कर लिया है, बल्कि हमारी आत्मा भी सूख चुकी लगती है। कभी भावनाओं से भीगा हुआ मन, जीवन का नमकीन स्वाद, जो कभी हमारे अंतर्मन को लपेटे हुए था, उसे इस चकाचौंध ने अपने में समाहित कर लिया है। प्रेम अब निश्छल नहीं रहा, मतलब की बात बन गया है। हम एक दूसरे को क्या दे सकते हैं, यह भी नफा-नुकसान के गणित पर आधारित होने लगा है। इसी सीमा में एक दूसरे के साथ जुड़ाव को प्रेम कहा जाता है। वरना एक दूसरे से अलग होने में देर नहीं लगती। हमने किसी के लिए क्या किया है, इस मापदंड के आधार पर ही प्रेम की वापसी संभव है। कुछ घटनाओं के आधार पर ऐसी भी व्याख्याएं सामने आने लगी हैं कि प्रेम अब पैसे और शारीरिक-आकर्षण से जुड़ गया है। प्रेम की वैसी कुछ वास्तविक कहानियों ने अपना महत्व खो दिया है, जिन्हें लेकर हम कई बार अचानक काल्पनिक हो जाते हैं। आज हालत यह है कि निजी आग्रहों से संचालित कुछ लोगों की नजर में प्यार एक बेमानी चीज है।

इसका कारण उनकी जड़ सोच या कुछ उदाहरणों के आधार पर बनी उनकी धारणा हो सकती है, लेकिन यही आखिरी सच नहीं भी हो सकती है। आज के डिजिटल युग में पुरुषों और महिलाओं को एक दूसरे से संवाद स्थापित करने और मिलने-जुलने की सुविधा विकसित करने वाले मंच यानी 'डेटिंग वेबसाइट' ने इसको अलग ही स्वरूप दे दिया है। ऐसे कृत्रिम और सुनियोजित तरीके से विकसित होने वाले संबंधों के दौर में वे लोग भाग्यशाली ही हैं, जिन्हें आज भी भरपूर और विशुद्ध प्रेम मिल रहा है। विडंबना यह भी है कि जो इस तरह के पवित्र भाव के साथ किसी को प्रेम अर्पित करते हैं, उसके जवाब में कुछ लोग उनकी भावनाओं की कद्र नहीं करते। ऐसी ही स्थितियों में ऐसे सवाल उठते हैं कि अगर ईमानदार भावनाओं को भी जरूरत भर सम्मान नहीं मिले तो प्रेम कहां अपना घर बनाए! बहुत तेज भागती दुनिया में आज रिश्तों का भी स्वरूप बदल रहा है और अब काम पड़ने पर ही लोग एक दूसरे से मिलते हैं। पहले की तरह का लगाव अब खत्म होता जा रहा है कि कोई काम नहीं था बस आपसे मिलने का मन किया और यों ही मिलने आ गए। आज तो प्रेम के सारे खेल में धन का भाव केंद्रित हो गया है। किसी को लगता है कि कोई व्यक्ति उसे भरपूर सुख और सुविधा दे सकता है या नहीं, तो कोई यह सोचता है कि धन-दौलत और शानो-शौकत के साथ उसका विवाह हो, न कि किसी अच्छे जीवनसाथी से। अगर किसी के मन में इस तरह के विचार भरे हों, तो उनके साथ कोई प्रेम कैसे कर सकता है? अगर वैश्विक संदर्भ में इस मसले पर विचार करें तो विश्व की सारी समस्याएं इसी प्रेमविहीन भौतिकतावादी युग की देन हैं। देशों की अपनी लड़ाइयां है और मानवता के प्रति जो श्रद्धा और प्रेम होना चाहिए, वह अदृश्य होता जा रहा है। हम सभी गांधी, नेल्सन मंडेला और मदर टेरेसा जैसी विभूतियों के मानवतापूर्ण कार्यों से परिचित हैं, लेकिन उनका व्यवहार में प्रयोग नहीं करना चाहते। इसका मूल कारण है कि सभी लोग और देश धन और ताकत की होड़ में हैं।

भारत में शिव पूजा के पुरातात्विक साक्ष्य

मिस्र, मेसोपोटामिया व भारत, इन तीनों ही राष्ट्रों की सभ्यता विश्व में सर्वाधिक प्राचीन है । यूं तो इन सभी सभ्यताओं के मूल में प्रकृति पूजा है फिर भी तीनों में कुछ-कुछ विभेद हैं । भारत का सौभाग्य यह है कि विश्व की सभी प्राचीनतम सभ्यताएं विभिन्न कारणों से अपने मूल भाव से विमुख हो गई परन्तु भारतीय समाज आज भी अपनी 5000 वर्ष प्राचीन परम्पराओं को जीवंत बनाए हुए है ।इन प्राचीन परम्पराओं के वाहक आज हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख आदि मतों का अनुसरण करते हैं । सनातन परम्परा में ईश्वर की साधना के विभिन्न माध्यम थे जिनमे एक माध्यम लिंग पूजा का था, यहां इस बात का उल्लेख आवश्यक है की लिंग सृष्टि की रचना का आधार है । लिंग व योनि के मेल से ही मानव उत्पति सम्भव है, यही कारण है की सनातन दर्शन में इसे पवित्र माना गया है। सनातन परम्परा का प्राचीनतम ग्रंथ है ऋग्वेद, इस ग्रन्थ में विभिन्न देवी-देवताओं का वर्णन है जिनमे इंद, अग्नि, रूद्र, विष्णु आदि प्रमुख हैं । रूद्र जिन्हें ऋग्वेद में सृजनकर्ता व संहारक की संज्ञा दी गई है वे और कोई नहीं शिव ही हैं । इन रूद्र या शिव की आराधना के पुरातात्विक साक्ष्य हमें बहुतायत में मिलते हैं, इनमे कुछ पुरातात्विक साक्ष्य 5000 प्राचीन हैं । शिव की आराधना लिंग स्वरूप व मानव स्वरूप दोनों में ही की जाती है। भारत की प्राचीनतम सभ्यता जिसे हम सरस्वती-सिंधु सभ्यता के नाम से जानते हैं उसमे भी हमें शिव पूजा के पर्याप्त साक्ष्य देखने को मिलते हैं । इस सभ्यता के एक पुरास्थल कालीबंगा से हमें पकी मिट्टी का बना एक शिवलिंग प्राप्त हुआ है । इसी सभ्यता का एक और पुरस्थल है हड़प्पा जो वर्तमान में पाकिस्तान में अवस्थित है । इस पुरास्थल से भी उत्खनन के दौरान शिवलिंग प्राप्त हुआ है । इन शिवलिंगों के विवरण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की विवरणिकाओं में उपलब्ध हैं । नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में भी इस सभ्यता के विभिन पुरास्थलों से मिले शिवलिंग प्रदर्शित हैं । मानव स्वरुप में शिव का अंकन भी हमें इसी सभ्यता में देखने को मिलता है, वर्तमान पाकिस्तान में स्थित मोहनजोदड़ो से मिली एक मुहर पर एक योगी का अंकन है जिसके इर्द-गिर्द पशु खड़े हैं । विश्व के प्रसिद्द पुरातत्ववेत्ताओं का यह मत है की यह शिव ही हैं, इन्हें पशुपति की संज्ञा दी गई है । सरस्वती सिंधु सभ्यता से मिले पुरावशेष यह सिद्ध कर देते हैं की तत्कालीन समाज में शिव पूजा का भी प्रचलन था, ऋग्वेद में भी शिवपूजा का उल्लेख पर्याप्त मात्रा में प्राप्त होता है । आज से लगभग 2400 वर्ष पूर्व बनने वाले आहत सिक्कों पर शिव के आयुध या हथियार त्रिशूल का अंकन हमें दिखाई देता है, यह तत्कालीन भारतीय समाज में शिव के प्रति आस्था का प्रतिबिम्ब है । भारत का मूल समाज तो शिव की आराधना करता ही है, इस राष्ट्र में आक्रमणकारी के रूप में आए शक व हूण शासकों द्वारा चलाए गए सिक्के इस बात को प्रमाणित करते हैं की विदेशी आक्रांताओं की भी आस्था के केंद्र शिव थे । हूण शासक वासुदेव के द्वारा चलाए गए सिक्कों पर हमें शिव व उनके वाहन नंदी का अंकन दिखाई देता है । चौथी-पांचवीं शताब्दी में शासन करने वाले गुप्त शासकों के काल में भी शिव पूजा का प्रभुत्व हमें दिखाई देता है । एक मुखी शिवलिंग, उमा-महेश्वर,शिव-पार्वती आदि की प्रतिमाएं इस काल में पर्याप्त मात्रा में बनाई गईं । विदिशा स्थित उदयगिरि में पर्वत को काट बनाई गई गुफाएं जो गुप्तकालीन हैं शिव को ही समर्पित हैं । भौगोलिक दृष्टिकोण से भी सम्पूर्ण भारत में हमें शिव पूजा के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं । प्रारम्भिक मध्य कालीन भारत के हिन्दू शासकों ने अपने आराध्य शिव के लिए विशाल मंदिरों के निर्माण करवाए जो आज विश्व धरोहर हैं । तमिलनाडु के थंजावुर में स्थित बृहदीश्वर मंदिर शिव को समर्पित है।

लोकमान्य तिलक एवं चंद्रशेखर आज़ाद जयंती मनाई

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। लोकमान्य तिलक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदसौर में स्वतंत्रता संग्राम के दो महान नायको लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक एवं अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती संयुक्त रूप से उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पीजी कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. श्री रजत जैन, वरिष्ठ शिक्षक मुकेश कुमार त्रिवेदी एवं समाजसेवी विमलचन्द्र मच्छीरक्षक उपस्थित रहे। साथ ही विद्यालय के संचालक श्री हिम्मत डांगी, प्राचार्य दिशांत डांगी सहित विद्यालय की दोनों पाली के स्टाफ एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं लोकमान्य तिलक के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। अतिथियों ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए छात्रों को प्रेरणादायक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि कैसे तिलक जी ने स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है का उद्घोष कर देशवासियों में नई चेतना जगाई और चंद्रशेखर आज़ाद ने अपने साहस और बलिदान से आज़ादी की लड़ाई को गति दी। विद्यार्थियों ने भी इस अवसर पर भाषण, कविता और देशभक्ति गीतों के माध्यम से अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम का समापन श्री दिशांत डांगी

द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम ने सभी उपस्थितजनों के हृदय में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना को और भी प्रगाढ़ किया।

जिले में पशुओं का विक्रय करने वाले अपनी दुकानों, संस्थाओं व प्रतिष्ठानो का 24 अगस्त तक पंजीयन करवाएं

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा बताया गया कि जिले में पशुओं का विक्रय करनें वाली दुकानो व संस्थाओं के संचालक (कुत्ते, बिल्ली, पक्षी, मछली या कोई अन्य पालतू जानवर शामिल है) एवं श्वानों के प्रजनन केन्द्र / दुकान अपने प्रतिष्ठानो का पंजीयन 24 अगस्त 2025 तक कार्यालय म.प्र. राज्य पशु कल्याण सलाहकार मण्डल भोपाल में पालतू पशुओं की दुकान नियम, 2018 (Pet shop Rules-2018) के नियम 3 और 4. श्वानो के प्रजनन और विपणन नियम 2017 (उसि-ईशशवळसि-रवि-चरीज्ञशशींळसि र्वीश्रशी-2017) के नियम 3 और 4 के तहत कराए। अन्यथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम-1960 अंतर्गत संचालक के विरूद्ध वैधानिक कार्यवही की जावेगी। अधिक जानकारी के लिए दुरभाष नंबर 07422-241294 कार्यालय उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंदसौर पर संपर्क कर सकतें है।

भारत विकास परिषद द्वारा सीमेंट की कुर्सियां लगाई

मनासा, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारत विकास परिषद की प्रेरणा स्वरूप सदस्य श्री रुचिर जी माहेश्वरी (तोषनीवाल) एवं तोषनीवाल परिवार मनासा वाले के सौजन्य से स्व. श्रीमती शांति देवी तोषनीवाल (दादीजी) की स्मृति में दो सीमेंट वाली कुर्सियां पंचमुखी बालाजी मंदिर प्राइवेट बस स्टैंड पुलिया के पास एवं एक सीमेंट कुर्सी प्राइवेट बस स्टैंड पर लगाई गई उनका शुभारंभ किया गया एवं शाखा के सदस्य रुचिर जी माहेश्वरी का सेवा कार्यों में सहयोग के लिए अभिनंदन किया गया उसके पश्चात अग्रोहा भवन में साध्वी ऋतंभरा जी की शिष्या साध्वी सत्य सिद्धा जी का कथा स्थल पर जाकर साल एवं श्रीफल से स्वागत अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष रवि पोरवाल ,सचिव पिंटू शर्मा , कोषाध्यक्ष संदीप दरक भारत विकास परिषद नीमच आदि उपस्थित थे।

मनासा में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर सम्पन्न

नीमच, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय आयुर्वेद औषधालय मनासा द्वारा जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशीष बोरना के निर्देशन में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनासा में गुरूवार को आयोजित किया गया। शिविर में आमवात, संधिवात, उदर रोग, विबंध, श्वास,कास,प्रतिशाय, रक्त अल्पता, रक्तचाप,स्त्रीरोग, मधुमेह आदि बिमारियों की जांच कर, निशुल्क औषधियां वितरित की और बच्चों को मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में बताया तथा आवश्यक परामर्श के साथ औषधियां उपलब्ध कराई गई। शिविर में कुल 82 हितग्राहियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। शिविर में डॉ.मदनलाल पाटीदार, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं श्रीमती सुशीला खिंचावत ने अपनी सेवाएं दी।

बरखेडा हाडा में आयुर्वेद चिकित्साा शिविर सम्पतन्नन – आयुष विभाग के आयुष्मान आरोग्य मंदिर जमुनिया कला द्वारा जिला आयुष अधिकारी डॉ.आशीष बोरना के निर्देशन में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर गुरूवार को बरखेडा हाडा में आयोजित किया गया। जिसमें बीपी एवं शुगर की निशुल्क जांच की गई एवं आमवात, संधिवात, उदर रोग, रक्त अल्पता, रक्तचाप,स्त्रीरोग, मधुमेह आदि बीमारियों का उपचार किया गया एवं औषधीया वितरित की एवं बच्चों को स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी। आवश्यक परामर्श के साथ औषधियां उपलब्ध कराई गई शिविर में 66 हितग्राहियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। शिविर में डॉ विमला पाटीदार, श्रीमती भावना बैरागी ,श्री हरीश दास बैरागी ,श्री विनीत सोनी ने अपनी सेवाएं दी।

हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में पौधारोपण

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सांदीपनि महारानी लक्ष्मीबाई शास. कन्या उ.मा.वि. मंदसौर में इको क्लब द्वारा हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में प्राचार्य के.सी.सोलंकी एव समस्त स्टाफ के द्वारा 20 पौधों का रोपण किया गया एवं छात्राओं को शासन की योजना एक पेड मां के नाम के अंतर्गत एक पौधा अपनी माता के साथ लगाये और सेल्फी लेकर इको लिंक पर अपलोड करें। प्राचार्य श्री सौलंकी ने बताया कि पेड़ पौधे, वायुमंडल एवं पर्यावरण को संतुलित करते है। प्रदूषण को रोकते, पेडो से हमें ऑक्सीजन मिलती है। इसलिए फलदार, छायादार औषधीय पौधे लगाए और उन्हें बड़ा होने तक संरक्षित करें। पौधरोपण पर महत्व डालते हुए बताया कि वृक्षों के बिना हमारी धरती बंजर हो जाएगी जिसका असर मानव जीवन के स्वास्थ्य पर पड़ेगा यदि हम अपने आने वाली पीढ़ी को हमारी धरती हरी भरी सौपना चाहते हैं तो हमे अपनी धरती को सभी प्रकार के प्रदुषणों से बचाना होगा और वृक्ष हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं हमारे पर्यावरण को बचाने में इनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। अत: हमे अपने जीवन में एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए व उसकी देखभाल तब तक करनी चाहिए जब तक वह एक वृक्ष न बन जाए। इको क्लब प्रभारी श्रीमती जया सोनी ने कहा कि हमारे विद्यालय की बालिकाये एक पेड मां के नाम योजना के अंतरगत अभी तक 400 पौधे लगा चुकी हैं।

अभा पूर्व सैनिक सेवा परिषद कल मनायेगा कारगिल दिवस

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम 26 जुलाई शनिवार अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर द्वारा भारत पाक युद्ध में भारतीय सेना के विजय के उत्सव में कारगिल दिवस के कार्यक्रम का आयोजन 26 जुलाई, शनिवार को कारगिल विजय पार्क, डुप्लेक्स किटीयानी मंदसौर में प्रात: 11.30 बजे से मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, सांसद सुधीर गुप्ता, मंदसौर विधायक विपिन जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जिला कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, न.पा.उपाध्यक्ष नम्रता प्रीतेश चावला, एनसीसी कमांडेंट सैनिक कल्याण अधिकारी सैनिक स्कूल कमांडेंट मंचासीन रहेंगे। कार्यक्रम में सभी पूर्व सैनिक एनसीसी के कैडेट्स एवं जन नागरिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। अ.भा. पूर्व सैनिक परिषद ने सभी से आग्रह है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

जिला धार्मिक उत्सव समिति का पुनर्गठन

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। जिला धार्मिक उत्सव समिति मंदसौर की एक महत्वपूर्ण बैठक राजाराम तंवर की अध्यक्षता में स्थानीय सांई मंदिर माल गोदाम रोड पर संपन्न हुई। उपरोक्त जानकारी देते हुए धार्मिक उत्सव समिति के संस्थापक विनोद मेहता ने बताया की इस बैठक में कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया जिसमें संस्थापक विनय दुबेला, विनोद मेहता, संरक्षक गुरु चरण बग्गा, दशरथ भाई (भागवत कथाकार) अनीता दीदी, सूरजमल गर्ग, दृष्टानंद नैनवानी, सुभाष गुप्ता, प्रवीण मंडलोई, रूपनारायण मोदी, कन्हैया लाल सोनगरा, राजाराम तंवर, बंसीलाल टांक, घनश्याम बटवाल, ब्रजेश जोशी, मार्गदर्शक मंडल में राजेंद्र चाष्टा, वीरेंद्र भट्ट, हरिशंकर शर्मा, बालू सिंह सिसोदिया, हरिराव जाधव, एमपी सिंह परिहार, मुकेश चनाल, बंसीलाल भट्ट, महेश वैष्णव, परामर्शदाता के पद पर संतोष जैन, प्रदीप गुप्ता, जीवन गोसर, बाबूलाल थोरेचा, रविंद्र पांडेय, सत्येंद्र सोम, नरेंद्र त्रिवेदी, राकेश भाटी, विनोद जाट, सुरेंद्र रामावत, गोपाल राजावत, राजेश चौहान, संयोजक कमलेश नागदा, अध्यक्ष पद पर वर्दीचंद कुमावत, उपाध्यक्ष पद पर रमेश डीडवानिया, सचिव नंदकिशोर राठौर, सहसचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष अशोक पालीवाल, संगठन सचिव नरेंद्र भावसार, सह संगठन सचिव संतोष जैन स्वागत अध्यक्ष मनीष मेघनानी, राजू कुमावत, नटवर पारीख, प्रदीप सोनी, घनश्याम सोनी, सोशल मीडिया प्रभारी हरिशंकर सालवी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभारी मुकेश आर्य, सुरेश भावसार, शंभू सेन राठौर, प्रेस मीडिया प्रभारी हेमंत कुमावत सूचना प्रसारण प्रभारी दिलीप जैन, रमेश डीडवानिया, राजू कुमावत, संतोष जैन, सुभाष गुप्ता, ओम सोनी, कमलेश नागदा, कार्यालय मंत्री प्रकाश कल्याणी तथा निरंजन भारद्वाज का मनोनयन किया गया इसी प्रकार महिला प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती शशि झलौया, श्रीमती अल्पना राठौर, रमा माथुर, सीमा कुंवर सिसोदिया, वंदना भावसार तथा उमा कुंवर राणावत का मनोनयन किया गया तथा पद की शपथ दिलाई गई।

बैठक में सदस्यता शुल्क 100 रू. प्रति माह निर्धारित किया गया साथ ही ट्रस्ट का गठन करने तथा बैंक अकाउंट खुलवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रत्येक धार्मिक उत्सव उत्साह के साथ मनाने एवं उसमें आम नागरिकों की सहभागिता एवं समिति के सदस्यता बढ़ाने का निर्णय लिया गया। बैठक में बड़ी संख्या में नगर के वरिष्ठ समाज सेवी साहित्यकार, पत्रकार मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया संचालन नंदकिशोर राठौर तथा आभार नरेंद्र भावसार द्वारा व्यक्त किया गया।

जीपीएस, ड्रोन आपरेट एवं नवीन तकनीक से संबंधित रोजगार की जानकारी दी

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में दिनांक 23.7.2025 को स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत जीपीएस व ड्रोन ऑपरेट एवं नवीन तकनीक से संबंधित रोजगार की जानकारी प्रदान किए जाने विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

अतिथि परिचय देते हुए महाविद्यालय के वाणिज्य विषय के प्राध्यापक डॉक्टर पी एल पाटीदारने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार 20 करोड लोग ऐसे हैं जो बिना कुछ कियेजीवन यापन कर रहे हैं और अगर यह लोग काम करें तो लगभग 50 अरब डॉलर का योगदान सन 2047 तक देश की जीडीपी में हो सकेगा 15 से 34 वर्ष की आयु के लगभग 65% युवा है जो किकौशल प्राप्त करके आगे आ जाएं तो भारत को विकसित भारत बनने से कोई नहीं रोक सकता हैं विद्यार्थी और हर व्यक्ति अपने कर्तव्य अनुसार कार्य करेंतो हम तरक्की कर सकते हैं और देश की आय को बढ़ाने में योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री मुकेश गुप्ता आईवेऑफिसएम.प्र.शासनजी.टी.पी.सीजाकराने कहा कि हम जो कार्य कर रहे हैं उसे दिल से करें जब हम ऐसा करते हैं तो निश्चित ही हमें उसे कार्य में सफलता मिलती हैं आपने ड्रोन की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को इससे जुड़े हुए रोजगार के बारे में बताया आपने ड्रोन को ऑपरेट करने संबंधी कानूनी पहलू की जानकारी भी साझा की। अनीता गुप्ता मैडम सेबीट्रेनरने स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की आपने बताया कि कैसे सुरक्षित निवेश किया जाता है। बीफ्री प्राइवेट लिमिटेड कंपनीइंदौर सेआयेइंजिनियरअदिति जोशी मैडम ने बताया कि आज के समय में ड्रोन का प्रयोग कृषि मैपिंग, डिफेंस, बड़े पैमाने पर सोलर प्लेट की सफाई, ड्रोन से घर तक सामान को पहुंचना आदि में हो रहा है आपने बताया कि ड्रोन उडाने का प्रशिक्षण कहां से प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ एवं छात्राओं ने सहभागिता कर लाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अनुराग आर्य ने किया एवं आभार भौतिकी विषय के सहायक प्राध्यापक श्री कांतिलाल कुमावत ने व्यक्त किया।

मंदसौर में पुन: शुरू हो केम्प कोर्ट: विधायक जैन

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। मंदसौर जिले के विधायक श्री विपिन जैन ने मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि अपर आयुक्त, संभाग उज्जैन का केम्प कोर्ट पुन: मंदसौर में प्रारंभ किया जाए। अपने पत्र में विधायक जैन ने बताया कि जिला अभिभाषक संघ, मंदसौर की मांग के अनुसार यह आवश्यक है कि पूर्व की भांति केम्प कोर्ट मंदसौर में ही संचालित हो। पूर्व में यह कोर्ट मंदसौर से ही लगाया जाता था, जिससे जिले के राजस्व न्यायालयों के अनेक प्रकरणों की सुनवाई स्थानीय स्तर पर हो जाती थी। हाल ही में केम्प कोर्ट को बंद कर दिए जाने से न्यायिक प्रक्रिया बाधित हो गई है और लोगों को न्याय के लिए उज्जैन जाना पड़ रहा है।

विधायक जैन ने उल्लेख किया कि मंदसौर में यह कोर्ट पिछले 20 वर्षों से सुचारू रूप से संचालित था। अब इसके उज्जैन स्थानांतरित हो जाने से न केवल समय की बर्बादी हो रही है, बल्कि आम जनता को न्याय पाने के लिए पाँच गुना अधिक आर्थिक व्यय भी उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति गरीब और ग्रामीण वर्ग के लिए विशेष रूप से कष्टप्रद हो रही है। जहां एक ओर विधायक विपिन जैन ने सक्रियता दिखाते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपना प्रयास शुरू कर दिया है, वहीं अभिभाषक संघ ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और दोनों सांसदों को भी पत्र लिखा है। अभिभाषक संघ अध्यक्ष रघुवीर सिंह पंवार ने आशा जताई है कि अन्य सभी जनप्रतिनिधि भी जल्द ही इस समस्या के समाधान हेतु सक्रिय होकर जनता को राहत दिलवाने का प्रयास करेंगे। जनता की अपेक्षा है कि सभी जनप्रतिनिधि इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर प्रयास करें ताकि मंदसौर में केम्प कोर्ट की सुविधा पुन: शीघ्र बहाल की जा सके।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद, मारपीट और चाकूबाजी, दोनों पक्षों पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सोशल मीडिया पर समाज के विरुद्ध पोस्ट डालने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट और चाकूबाजी तक पहुंच गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रतन पिपलिया निवासी लवकुश पिता पर्वतलाल पाटीदार ने नाहरगढ़ थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सरदार पटेल चौराहे पर बैठा था, तभी गांव का भगवानसिंह पिता देवीसिंह राजपूत वहां आया और कहा कि तूने राजपूत समाज के खिलाफ सोशल मीडिया पर गाली-गलौज की है। लवकुश ने जब इस बात से अनभिज्ञता जताई तो भगवानसिंह ने उस पर हमला कर दिया, जिससे लवकुश घायल हो गया और खून बहने लगा। इस दौरान मानसिंह पिता देवीसिंह भी मौके पर आ गया और उसने भी लात-घूंसे से मारपीट की। पुलिस ने लवकुश की रिपोर्ट पर भगवानसिंह और मानसिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दूसरी ओर, भगवानसिंह पिता देवीसिंह राजपूत ने भी थाने में शिकायत दी है कि वह पटेल चौराहे पर था, जहां लवकुश पाटीदार मिला। जब उसने लवकुश से पूछा कि वह राजपूत समाज के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट :यों करता है, तो लवकुश के साथ पर्वतलाल पाटीदार और जीवन पाटीदार भी आ गए। तीनों ने गाली-गलौज करते हुए भगवानसिंह के साथ मारपीट की और चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ पर चोट आई। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने लवकुश, पर्वतलाल और जीवन पाटीदार के खिलाफ मामला दर्ज किया।

सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु से लोगों को बचाने मिशन मोड में करें कार्य-मुख्य सचिव

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम, 2025 एवं राह-वीर योजना के प्रदेश में क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही की मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने मंत्रालय में एक बैठक में बुधवार को समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को गोल्डन ऑवर मे इलाज मिल सके, इसके लिए संबंधित-विभाग मिलकर मिशन मोड में कार्य करें। दुर्घटना से होने वाली मृत्यु से लोगों को बचाने के सभी संभव प्रयास किये जाने चाहिये। संभावित दुर्घटना स्थलों को चिन्हांकित कर दुर्घटना के कारणों को दूर किया जाना चाहिये। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने तथा नागरिकों को जागरूक करने का कार्य किया जाये। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये और परिवहन, स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग मिलकर संयुक्त रूप से कार्य करें। ऐसा सिस्टम विकसित किया जाए कि नियत समय में कार्य हो सके। उन्होंने विभागों में बेहतर समन्वय तथा योजनाओं से संबंधित सभी-विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में योजना के क्रियान्वयन के लिए विभागों के दायित्वों का निर्धारण करने के साथ सुझाव भी लिये गये। अपर मुख्य सचिव श्री जे.एन.कंसोटिया, श्री संजय कुमार शुक्ल, सचिव परिवहन श्री मनीष सिंह, परिवहन आयुक्त तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत एवं पुलिस मुख्यालय के अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

हरियाली अमावस्या के पर्व पर पौधरोपण किया

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर उ. मा. आवासीय विद्यालय एमपी बोर्ड में हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में भैय्या बहिनों एवं आचार्य परिवार द्वारा पौधरोपण किया गया। पर्यावरण के सम्बन्ध में सन्देश देते हुए विद्यालय के प्राचार्य श्री महेश वप्ता ने कहा हमें पेड़-पौधों का संरक्षण करना अति आवश्यक है। हमें श्वास लेने के लिए पेड़-पौधों से ऑक्सीजन मिलती है अत: हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए। पेड़ पोधो का संरक्षण कर हम अपने पर्यावरण को स्वस्थ व सुन्दर बना सकते है और अपने जीवन को बेहतर बना सकते है। इस अवसर पर आचार्य परिवार सुश्री कविता शर्मा, श्रीमती गायत्री अग्निहोत्री, श्रीमती कुसुम तिवारी, श्रीमती सविता बग्गड, सुश्री अंजली सांखला एवं श्री पंकज पोरवाल की उपस्थिति में भैय्या बहिनों द्वारा पौधारोपण संपन्न कर हरियाली अमावस्या का पर्व मनाया गया। यह जानकारी विद्यालय के मीडिया प्रमुख पंकज पोरवाल ने दी।

पुलिस महानिरीक्षक गोयल का दौरा कार्यक्रम

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने बताया कि आई.पी.एस. पुलिस महानिरीक्षक, मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग श्री अशोक गोयल 29 जुलाई 2025 को प्रात: 11 बजे मंदसौर आयेंगे। तत्पश्चात मंदसौर जिला जेल का निरीक्षण करेंगे। दोपहर 02:00 बजे मंदसौर से नीमच के लिए प्रस्थान करेंगे।

नवांकुर सखी के रूप में थड़ोद में हरियाली यात्रा निकाली, बीज रोपित थैली बाटी

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला मंदसौर ब्लॉक मल्हारगढ सेक्टर मूंदड़ी में जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी के मार्गदर्शन में नवांकुर सखी कार्यक्रम के तहत नवांकुर सखियों की कलश यात्रा निकाली गई जिसमें पंजीकृत सखिया ग्रामीण बच्चे और लड़कियां शामिल हुई। यात्रा का आयोजन गांव थड़ोद के तेजाजी महाराज के मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे ग्राम का भृमण करते हुए पुन: तेजाजी मन्दिर पर विषर्जन हुआ। यात्रा के पूर्व सखियों के साथ महादेवजी का पूजन अर्चन कर गणेश वंदना की गई, साथ ही गांव की वरिष्ठ महिलाओं को नवांकुर सखी के में मुख्य अतिथि बनाया गया। कार्यक्रम में उद्बोधन बही पार्श्वनाथ आश्रम श्री श्री महाशक्ति सेवा संस्थान के गुरुजी गोपाल तिवारी द्वारा महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए वितरित किये गए बीज की थैलियों को अधिक से अधिक पोषित कर उन्हें ज्यादा से ज्यादा सुरक्षित रखे। पर्यारण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाये व साथ ही यह पौधा बड़ा होने पर अपने घर आंगन या किसी के जन्मदिन या अन्य शुभ अवसर पर लगाए। अपनी जिम्मेदारी निभाये। जिला समन्वयक श्रीमति बैरागी ने कहा इस यात्रा का उद्देश्य इसके प्रति अपनी जवाबदेही निभाने हेतु निवेदन किया गया। यात्रा के दौरान महिलाओं को बीज रोपित थैली बाटी गई। यात्रा में स्वयंसेवी संस्थाओं श्री श्री मां शक्ति सेवा संस्थान वही पाश्र्वनाथ, प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित महेश दुबे, दिनेश सोलंकी, लाला भाई अजमेरी, मंजू भावसार, रतनलाल चौहान, राधिका तिवारी, गांव के आसपास की महिलाएं व बच्चों और ग्रामवासी उपस्थित रहे। आयोजन नवांकुर सखी के रूप में हरियाली यात्रा निकाली गई। पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी गई।

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा जी के मंदिर में महाआरती कल

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। भगवान जगन्नाथ बलभद्र व सुभद्रा जी का अति प्राचीन मंदिर 500 साल से भी अधिक प्राचीन मंदिर में 26 जुलाई शनिवार को संध्या 5 बजे महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। इस आरती में विशेष अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री बंसीलाल गुर्जर, विधायक श्री विपिन जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, भावसार समाज अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गंगपार के साथ ही नगर के सामाजिक संगठन इस महा आरती में भागीदारी करेंगे।

इस अति प्राचीन मंदिर में आरती के साथ ही मंदिर में आने वाले समय में जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर विशाल यात्रा निकालने योजना बनाई जाएगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष गोपाल पंचारिया ने बताया इस कार्यक्रम के साथ ही मंदिर के प्रति लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है इसके लिए एक विशेष समिति गठित कर दी गई है। भगवान जगन्नाथ उत्सव समिति जो लगातार मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए एवं मंदिर में नई-नई व्यवस्थाओं को लेकर कार्य कर रही है। समिति के अनिल गुप्ता, समाजसेवी योगेश गुप्ता, सत्येंद्र सिंह सोम द्वारा पूरी योजना तैयार कर ली गई है। मंदिर में लगातार विकास कार्य प्रारंभ किया जा चुके हैं। नगर की जनता से विशेष अनुरोध है कि इस प्राचीन मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामना भी पूर्ण हो रही है। यह प्राचीन मंदिर जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर बना हुआ है। भगवान जगन्नाथ बलभद्र सुभद्रा जी के सामने हाथ जोड़ हनुमान जी की प्रतिमा इस प्रकार का मंदिर जगन्नाथ पुरी में स्थापित है मंदिर में प्रत्येक कार्य के लिए सभी समाजसेवी जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेते हुए पूरी योजना के साथ कार्य किया जा रहा है। सभी

श्रद्धालुओं से निवेदन है 26 जुलाई संध्या 5 बजे शिवना नदी के तट पर स्थित भावसार धर्मशाला से मात्र 50 मीटर की दूरी पर लक्षे बनाने वाले मार्ग पर यह मंदिर स्थापित है इस मंदिर को लेकर इतिहासकार भी अपनी रुचि के साथ कार्य कर रहे हैं भादवा बीज इस आरती का लाभ लेकर अपने जीवन को धन्य बनाएं। यह जानकारी जयंत भावसार द्वारा दी गई।

अवैध खनिज परिवहन पर 5 वाहन जप्त

नीमच, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। खनिज अधिकारी श्री गजेन्द्रसिह डाबर एवं टीम द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के विरूद्ध कुकडेश्वर, मनासा, सरवानिया महाराज क्षेत्र में गुरूवार को कार्यवाही कर, खनिज रेत मुरूम एवं गिट्टी का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए पांच वाहनों को जप्त किया गया है। साथ ही तहसील मनासा में अवैध भण्डांरण के दो प्रकरण बनाए जाकर जप्त वाहनों को पुलिस थाना मनासा, कुकडेश्वर एवं सरवानिया महाराज में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। अवैध परिहवन, उत्खनन में संलिप्त वाहनों में जेसीबी एमपी 44 जीए 1888, ट्रेक्टर एमपी 44 एआर 0632, ट्रेक्टर पावर टेक न्यूस एवं ट्रेलर आरज`09 जीसी 8975 तथा ट्रेक्टर महिन्द्रा 275डीआई शामिल हैं।

अभा श्री धाकड़ महासभा युवा संघ द्वारा पौधारोपण

खजूरी आंजना, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। शिक्षा का मंदिर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमनार नवनिर्मित बिल्डिंग जहां पर लगभग 300 बालक बालिकाएं पढ़ते हैं यहां पर पेड़ पौधों की आवश्यकता है इसी जगह पर अखिल भारतीय धाकड़ युवा संघ व धाकड़ महासभा महिला इकाई की जिला अध्यक्ष मंजू जी प्रदीप जी बाड़ोलिया प्रियंका ललित जी पटेल महासभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बद्रीलाल ज़ी धाकड़ महासभा राष्ट्रीय सदस्य घनश्याम जी अटोलिया अखिल भारतीय धाकड़ युवा संघ जिला अध्यक्ष रामलक्ष्मण जी धाकड़ युवा संघ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश कुमार धाकड़ ईश्वर लाल जी पटेल लीलाशंकर जी पटेल ईश्वरलाल की कांकर मोहनलाल जी धाकड़ बापूलाल जी पटेल बगदीराम जी धाकड़ शिवनारायण जी मेहता, दिलीप धाकड़ बड़वन शिवनारायण जी पापंडिया घाटी वाले ईश्वर लाल की घाटी वाले नानालाल जी पटेलरमाकांत जी पटेल राजेश धाकड़ राजू सेठ प्रकाश जी चौक मुकेश जी मेहता ललित पटेल कमलेश पटेल ललित धाकड़ खेड़ा राधेश्याम जी धाकड़ राजेश कांवरिया सोहनलाल ज़ी धाकड़ रणजीत धाकड़ छगनलाल जी बग्गड़ बद्रीलाल जी नरवाडिया संतोष जी पटेल बलदेव जी धाकड़ नागुभाई धाकड़ बड़वन किशोर धाकड़ बड़वन डॉ विजय धाकड़ बड़वन नारयण धाकड़ बड़वन विनय धाकड़ बड़वन शंकर लाल की घाटी वाले राहुल धाकड़ किशोर धाकड़ राधेश्याम धाकड़ मोहित धाकड़ ललित धाकड़ युवा साथि व समाज के वरिष्ठसहित वृक्षा रोपण किया एवं दोनों जिला अध्यक्ष को नियुक्ति पत्र दिए गये।

स्वर्णकार महिला समाज का लहरिया सावन उत्सव सम्पन्न

मनासा, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। स्वर्णकार जिला स्वर्णकार मंडल नीमच के तत्वाधान में रावला कुआं जावद में लहरिया सावन उत्सव का आयोजन किया किया सर्वप्रथम अजमीढ की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलित के साथ कार्यक्रम का शुभारभ हुआ तत्पश्चात जिला अध्यक्ष के चुनाव प्रकिया पर सभी से विचार विमर्श किया गया अध्यक्ष किरण सोनी ने सभी महिलाओं की सहमति से श्रीमती वंदना जी सोनी मनासा को जिला अध्यक्ष, सूरज मैडम जावद को सचिव ,एवं श्रीमती मंजू सोनी रतनगढ को कोषाध्यक्ष बनाया गया। सभी महिलाएं एकता का परिचय देते हुए लहरिया परिधान में थी नीमच ,मनासा,जावद,रतनगढ ,रामपुरा सभी तहसील से महिलाएं उपस्थिति थी। एंजॉय गेम में हाऊजी , सावन क्वीन , पासिंग दी माला अन्य बहुत गेम आयोजित किए गए मेचिंग क्वीन में भारती जी मनासा विजय रही , पासिंग दी माला में ममता गोविंद जी सोनी नीमच ,राजू जी सोनी जावद विजय रही सभी विनर को पुरस्कार दिया गया कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में सूरज मैडम के सेवा निवृत के उपलक्ष्य पर जिला महिला मंडल द्वारा माला शाल ओर राधा कृष्ण के स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

कारगिल विजय दिवस...

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। हर भारतीय को गर्व से भर देने वाली वह तारीख थी 26 जुलाई जिसे हम प्रतिवर्ष भारत मे कारगिल विजय दिवस के रुप में मनाते है। इसे ऑपरेशन विजय के नाम से भी जाना जाता है। ऑपरेशन विजय की सफलता के बाद इसे कारगिल विजय दिवस का नाम दिया गया। इसे सफलतापूर्वक अंजाम देकर हमारे वीर सेनिको ने आतंकियो के चंगुल से भारत भूमि को मुक्त कराया था। 26 जुलाई 1999 यानी कारगिल विजय दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए भारतीय सेना के उस अद्वितीय शौर्य, बलिदान और विजयगाथा के प्रति कृतज्ञता , सम्मान और एक समर्थ राष्ट्र का नागरिक होने का अप्रतिम गौरव बोध स्मरण करने का दिन है जब भारतीय सेना के वीर जवानो ने पाकिस्तान की कुटिल महत्वकांक्षा, दुस्साहस और भारत को खंडित करने के दिवास्वप्न को अपने पेरो तले रौंदकर कारगिल की चोटियो पर भारत की विजय पताका फहरा दी थी। इसी दिन भारत पाकिस्तान नियंत्रण रेखा से लगी कारगिल की पहाड़ियो पर कब्जा जमाए आतंकियो और उनके वेश में घुस आए पाकिस्तानी सेनिको को भारतीय सेनिको ने मार भगाया था। यह वह दिन है जब पूरे विश्व समुदाय यह अनुभव करने पर विवश हुआ कि भारत को परमाणु आक्रमण जैसे गंभीर संकट की संभावनाओं के भय से भयभीत नही किया जा सकता। भारत अपनी एकता व अखंडता की रक्षा के लिए विश्व की किसी भी महाशक्ति के दबाव अथवा प्रभाव के आगे नही झुकेगा। यह दिन उन शहीदो को याद कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पण करने का है जो मातृभूमि की रक्षा करते हुवे वीरगति को प्राप्त हुवे यह दिन समर्पित है उन वीरो को जिन्होंने अपना आज हमारे कल के लिए बलिदान कर दिया। स्वतंत्रता का अपना ही मूल्य होता है जो वीरो के रक्त से चुकाया जाता है। यह बहुत गौरव की बात हे की देश इस युद्ध में शहीद हुवे वीर सेनिको को विजय दिवस मनाकर याद कर रहा हे। देश का सैनिक जब सरहद पर होता हे तो मातृभूमि ही उसके लिए उसका घर, परिवार आदि सबकुछ होता हे। अपने परिवार और प्राणो की चिंता न करते हुवे हमारे सैनिक सदेव देश की रक्षा के लिए तत्पर रहते हे।देश की सुरक्षा के लिए वह अपने प्राणो तक का बलिदान दे देते हे। एक सैनिक के जीवन की राह कितनी कठिन होती हे हम सोच भी नही सकते स्वयं उसको भी पता नही होता की अगले दिन वह तिरंगा चढ़ाएगा या उसकी देह तिरंगे में लिपटकर घर भेजी जाएगी।विजय दिवस एक दिवस मात्र नही यह सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा दिवस भी हे। देश की सेना पर हमे गर्व हे और गर्व हे भारतीय होने पर। सेना में जाने वाले जवान भी नोकरी या व्यापार को चुनकर परिवार के साथ आनंद से जीवन जी सकते हे किंतु फिर भी अपने परिवार को छोड़कर देश को प्रथम मानकर ऐसे चुनोतिपूर्ण कार्यक्षेत्र को चुनकर देश की सुरक्षा के लिए जीते और शहीद हो जाते है ऐसे सभी सैनिको को कोटि-कोटि नमन..।

गौरव सोनी, मंदसौर

25 जुलाई जन्मदिन पर विशेष...

बनकर बताओ श्री पाटीदार जैसा...

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। आज के जमाने में मानव बनना भी मुश्किल हो रहा है, महामानव बनता तो असंभव है, महामानव का मतलब भगवान। मनुष्य गलतियों का पुतला है, वह मानव बने तो अच्छा है। मंदसौर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस की स्थिति दयनीय हो चली है। कमजोर तो वह वर्ष 2003 से हो रही थी। उन्नीसवें दशक में कांग्रेस को पहली पीढ़ी में प्राणवायु देने का काम श्यामसुंदर पाटीदार, रामलाल पोखरना, नंदलाल दलाल बद्रीदत्त भट्ट, भंवरलाल नाहटा, सीताराम जाजू जैसे अनेक नेताओं ने किया। गांधीवादी नेता श्री पाटीदार छ: बार मंदसौर से विधानसभा चुनाव जीते। काफी अरसे तक मंत्री रहे। शोषित, पीड़ित, दलित, कमजोर वर्ग की सेवा की। दूसरी पीढ़ी में बालकवि बैरागी, भारतसिंह जावरा, नरेन्द्र नाहटा, सुभाष सोजतिया, भारतसिंह दीपाखेड़ा जैसे नेताओं ने कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया। तीसरी पीढ़ी में सत्ता के लिये आतुर नेताओं ने अपने स्वार्थ को बढ़ाते हुए संगठन मजबूती की ओर विशेष ध्यान नहीं दिया। सुरेन्द्र लोढ़ा, सम्पत जाजू, चुन्नीलाल धाकड़ जैसे नेताओं की प्रतिभा का लाभ संगठन उठा नहीं पाया।

थोपे हुए नेताओं के कारण तीसरी पीढ़ी के नेता अब तक कोई चमत्कार नहीं कर पाए हैं, जुगाड़ के जरिए पंच से लेकर लोकसभा तक के टिकट जातिवाद के आधार पर प्राप्त करने के बाद आम जनता उन्हें सड़क पर रखने का मौका दे रही है। जैसा संघर्ष राहुल गांधी कर रहे हैं, उसका असर मंदसौर संसदीय क्षेत्र में नजर नहीं आ रहा है। जिला अध्यक्ष के चुनाव के लिये तीन दर्जन दावेदार सामने आए केन्द्रीय पर्यवेक्षक ढाई हजार कार्यकर्ताओं से मिले। अध्यक्ष पद की घोषणा से ही पता चलेगा कि वह नेता और उसकी टीम राहुल गांधी के सपने को पूरा करने में सफल होती है या नहीं। चाटुकार, जुगाड़ू, डरपोक किस्म का जिला अध्यक्ष ने तो कार्यकर्ता बर्दाश्त करेंगे न ही आम जनता। संसदीय क्षेत्र में भाजपा से टक्कर लेना इतना आसान नहीं है जितना कि सपने में भाजपा को हरा देना। ढाई दशकों में 8 में 7 सीटों पर कांग्रेस विधानसभा चुनाव हारी है। मात्र एक नेता जो उज्जैन संभाग एवं मंदसौर संसदीय क्षेत्र में जीता था उस हरदीपसिंह की उपेक्षा का नतीजा उसने भाजपा उम्मीदवार बन सुवासरा सीट जीत ली। वर्ष 2018 में मंदसौर पर विपिन जैन ने कांग्रेस की लाज रखी।

आने वाले समय में विपिन के लिए चुनौती रहेगी कि वे अपनी सीट पर खरे उतरते हैं या नहीं ? पिछले ढाई दशकों में वहीं नेता सफल हुए हैं जो आम जनता और कार्यकर्ताओं का विश्वास जीतने में सफल हुए हैं। हायकमान का विश्वास जीतने से कांग्रेस मजबूत नहीं होगी। घर गली, गांव, शहर में आम जनता और कार्यकर्ताओं से संपर्क होने जरूरी है। श्री पाटीदार ने इन्हीं गुणों के कारण संसदीय क्षेत्र, प्रदेश एवं देश में, मजदूर क्षेत्र में अपना स्थान बनाया। दूसरों का भला हो ऐसा सोचना एवं दूसरों की पीड़ा में मदद करना यह श्री पाटीदार को आता था। सुधी लोगों का स्मरण और बताए मार्ग पर चलने में जीवन की सार्थकता है।

विक्रम विद्यार्थी, मंदसौर

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मप्र पेसा अधिनियम के क्रियान्वयन में अग्रणी

पेसा अधिनियम बना जनजातीय समुदाय के लिए वरदान, चौपाल लगाकर सुलझा रहे हैं आपसी विवाद, लगभग 8 हजार से अधिक प्रकरणों को जनजातीय समुदाय ने आपसी विमर्श में सुलझाया,शिकायत किए बिना सुलझाए मामले

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। जनजातीय समुदाय के लिये राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है। प्रदेश के 88 ट्राइबल ब्लॉक्स में लागू पेसा अधिनियम जनजातीय समुदाय के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस अधिनियम के अंतर्गत जनजातीय समुदाय आपसी विवादों का समाधान थानों में शिकायत दर्ज कराए बिना ही चौपालों के माध्यम से कर रहे हैं। पेसा अधिनियम के क्रियान्वयन में देश में मध्यप्रदेश न केवल अग्रणी है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

जनजातीय समुदाय ने अब तक लगभग 8 हजार से अधिक विवाद प्रकरणों का चौपाल के माध्यम से निराकरण कर मिसाल पेश की है। इन मामलों में पारिवारिक जमीन संबंधी विवाद शामिल है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा लागू किए गए पेसा एक्ट का उद्देश्य भी यही है कि जनजातीय समुदाय के लोगों को छोटे-छोटे विवाद में पुलिस थाना का चक्कर ना लगाना पड़े और आपस में बैठकर ही मामले की सुलह कर लें। साथ ही उनकी परंपरा, कला संस्कृति की भी रक्षा की जा सके।

पेसा अधिनियम के अंतर्गत 3 प्रकार की समितियां कर रहीं हैं काम–पेसा अधिनियम के तहत प्रदेश के 88 विकासखंडों में तीन प्रकार की समितियां काम रही है। इसमें शांति और विवाद निवारण समिति, सहयोगिनी मातृ समिति और वन संसाधन योजना एवं नियंत्रण समिति शामिल है। प्रदेश में शांति और विवाद निवारण समिति की संख्या 11 हजार 639 है। वन संसाधन योजना एवं नियंत्रण समिति की संख्या 11 हजार 331 है, जबकि सहयोगिनी मातृ निवारण समिति की संख्या 21 हजार 887 है।

देश के 10 राज्य में हो रहा है पेसा एक्ट का क्रियान्वयन, मध्यप्रदेश है अग्रणी–देश के 10 राज्यों में पेसा एक्ट का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसमें मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य है। पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सफलता की कहानियों को लेकर एक पुस्तिका भी निकाली गई है जिसमें मध्यप्रदेश की दो कहानियों को शामिल किया गया है। इस वजह से मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

5133 ग्राम पंचायतों में लागू है पेसा अधिनियम–मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय बाहुल्य वाले प्रदेश के 20 जिलों के 88 विकासखंड की 5133 ग्राम पंचायतों के 11 हजार 596 ग्रामों में पेसा एक्ट लागू किया गया है। वर्तमान में 4850 पेसा मोबलाइजर कार्य कर रहे हैं। पेसा कानून में सबसे महत्वपूर्ण विषय वित्तीय प्रबंधन है, जिसके तहत राज्य में अब तक 11 हजार 538 खाते खोले गये है।

लोकसेवा केंद्रों की फीस बढ़ी, अब 20 की जगह 25 रुपए देना होंगे

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। लोकसेवा केंद्रों में लगने वाली फीस बढ़ा दी गई है। अब एक आवेदन के लिए लोगों को 20 रुपए की जगह 5 रुपए ज्यादा यानी 25 रुपए देना होगा। शासन ने इसके निर्देश जारी कर दिए हैं। पहले इसकी फीस 40 रुपए थी, जिसे घटाकर 20 रुपए कर दिया गया था।

बता दें कि फीस बढ़ाने की चर्चा काफी दिनों से की जा रही थी। लोगों को जन्म-मृत्यु प्रमाण, ईडब्ल्यूएस, जमीन संबंधी समेत सभी तरह की सेवाओं के लिए लोकसेवा केंद्र में आवेदन करना होता है। यहां से संबंधित विभाग को ऑनलाइन आवेदन भेज दिया जाता है। संबंधित विभाग तय समय में संबंधित प्रकरण का निराकरण कर उसका प्रमाण पत्र ऑनलाइन जारी कर देता है। इससे लोगों को यहां-वहां चक्कर नहीं काटने पड़ते हैं।

बारिश से फैल रहा वायरल संक्रमण

पेट से लेकर सर्दी-जुकाम लोगों को कर रहे परेशान

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बरसात के दौर में थोड़ी सी लापरवाही सेहत पर भारी पड़ रही है। इससे सबसे अधिक बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव और हवा में बढ़ती नमी के कारण बच्चे वायरल संक्रमण, सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार की चपेट में आ रहे हैं। बड़े अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में रोजाना सैकड़ों बच्चे इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें बडी संख्या नवजात शिशुओं से लेकर 10 वर्ष तक के बच्चों की है।

बारिश के चलते सिर्फ सर्दी-जुकाम ही नहीं, बल्कि पेट दर्द, उल्टी-दस्त और अपच जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। डॉक्टरों के मुताबिक बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण वे संक्रमण का शिकार हो रहे हैं। खुले व दूषित पानी के संपर्क में आने, बारिश के पानी में भीगने और बाहर का खाना खाने से पेट से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं।

स्कूली बच्चे ज्यादा प्रभावित–विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों के एक-दूसरे के संपर्क में आने से संक्रमण तेजी से फैलता है। कई अभिभावक बच्चों को सर्दी-जुकाम होने पर भी स्कूल भेज देते हैं। बच्चे अनजाने में सावधानियां नहीं रख पाते। ऐसे में संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि संक्रमण की शिकायत होने पर बच्चों को घर पर ही आराम दें और घर पर भी अन्य बच्चों से दूर रखें।

बारिश के कारण जलजनित बीमारियों की आशंका भी लगातार बनी हुई है। बड़े अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार बीते दो सप्ताह में सर्दी-जुकाम, वायरल बुखार, उल्टी-दस्त और पेट दर्द के मामले 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता बरतने की अपील की है।

डॉक्टरों की सलाह–✻ बच्चों को साफ और उबालकर ठंडा किया गया पानी पिलाएं। ✻ बारिश के पानी से बचाएं, भीगने पर तुरंत कपड़े बदलें। ✻ बाहर का खाना पूरी तरह टालें। ✻ इम्यूनिटी बढ़ाने वाले आहार जैसे मौसमी फल, नींबू, तुलसी, अदरक का सेवन कराएं। ✻ हल्के लक्षण दिखने पर भी डॉक्टर की सलाह लें।

जय अंबे, कालिका, देव डूंगरी माता की महाआरती हूई, मालपुए का लगाया भोग

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सावन मास के त्यौहार हरियाली अमावस्या के पावन पर्व कल 24 जुलाई गुरुवार को रेवास देवड़ा रोड़, स्थित चमत्कारी एक प्रसिद्ध मंदिर पर जय अंबे, कालिका देव डूंगरी माता मंदिर, माता रानी की भव्य महाआरती हूई। मालपुए का भोग लगाया। मंदिर परिक्षेत्र मे एनजीओ आरपीएस, जन एवं संस्कृति विकास समिति के आह्वान पर एक पेड़ मॉ के नाम अभियान तहत वहृद पौधारोपण किया गया, जिसमे धार्मिक सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी ने सहभगीता की। जय अम्बे, देवडूंगरी मातारानी भक्त मण्डल के सदस्य पं.जगदीश बैरागी ने बताया की प्रतिवर्ष पुरे सावन मास मे हरियाली के लिए पौधरोपण समिति अध्यक्ष बंशी राठौर, राधेश्याम मारू का अतिथीयों द्वारा मातारानी के दुप्पटा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधी मौजुद थे। पं.श्री बैरागी ने बताया की देव डुगंरी मां का यह मंदिर मंदिर तक पहुंचने के लिए 151 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। यह मंदिर मंदसौर शहर नेहरू बस स्टैंड से से लगभग 9 किलोमीटर दूर है। यह मंदिर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। देव डूंरी माता मंदिर, मंदसौर में स्थित एक लोकप्रिय मंदिर है। यहां समिति द्वारा पुरे सावन मास प्रति रविवार को सामाजिक संगठनों द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है।

50 मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ आरएसएस चीफ की बैठक, कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 24 जुलाई। सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने की एक उल्लेखनीय पहल के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आज दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, सह महासचिव कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ नेता रामलाल व इंद्रेश कुमार भी मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख उमर अहमद इलियासी सहित कई मुस्लिम धार्मिक नेता इस बैठक में भाग लिया।

आरएसएसए अपने संबद्ध संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों व समुदाय की प्रमुख हस्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। 2023 में एमआरएम ने अल्पसंख्यक समुदाय से जुडने और एक राष्ट्र, एक ध्वज, एक राष्ट्रगान की अवधारणा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी अभियान की योजना की घोषणा की है।

गौरतलब है कि सितंबर 2022 में भागवत ने भारत में धार्मिक समावेशिता को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कई प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य आरएसएस के विचारों का प्रचार।प्रसार करना और समुदायों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना था। ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एस वाई कुरैशी, दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल ज़मीर उद्दीन शाह, पूर्व सांसद शाहिद सिद्दीकी और व्यवसायी सईद शेरवानी जैसे कई बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। अक्टूबर 2022 में आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार ने नई दिल्ली स्थित हजरत निज़ामुद्दीन दरगाह का दौरा किया और दरगाह परिसर में मिट्टी के दीये जलाए।

गुमशुदा को उसके परिजनों को सौंपा

भानपुरा, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। थाना भानपुरा की एफआरवी 100 डायल द्वारा रात्रि गश्त के दौरान दुधाखेड़ी माताजी मंदिर के पास एक व्यक्ति से पूछताछ की गई। जिसने अपना नाम कन्हैयालाल पिता बंसीलाल बागड़ी निवासी आकली दीवान थाना शामगढ बताया। इसकी गुमशुदा रिपोर्ट 21 तारीख सोमवार को शामगढ थाने में दर्ज थी। 100 डायल चालक राकेश विश्वकर्मा, आरक्षक भगत सिंह जादौन ने जानकारी थाना प्रभारी रमेशचंद्र डांगी को देकर अवगत करवाया। जिसमें थाना प्रभारी द्वारा तुरंत थाना शामगढ से संपर्क कर गुमशुदा व्यक्ति को उसके भाई के सुपुर्द किया। थाना प्रभारी रमेशचंद्र डांगी ने 100 डायल एफआरवी चालक राकेश विश्वकर्मा और आरक्षक भगत सिंह जादौन के कार्यों की सराहना की।

शाही सवारी के दिन 4 अगस्त को स्थानीय अवकाश घोषित किया जाए

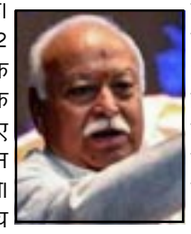

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी देवाधिदेव महादेव श्री पशुपतिनाथ जी की शाही सवारी श्रावण मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त 2025 को प्रात: कालीन आरती मण्डल एवं शिव भक्तों के द्वारा निकाली जाएगी। इस आयोजन में बड़ी संख्या में नगर सहित आस पास के क्षेत्रों से श्रद्धालु शामिल होने आते है एवं इस दिन जिला प्रशासन की ओर से स्थानीय सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है लेकिन इस वर्ष शाही सवारी वाले दिन स्थानीय सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं किया गया है। इसी को लेकर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने मंदसौर कलेक्टर को पत्र लिखकर जनभावनाओं के अनुरूप 4 अगस्त शाही सवारी वाले दिन स्थानीय सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के लिए अनुरोध किया है। डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर ने पत्र की एक प्रति मन्दसौर विधायक श्री विपिन जी जैन को भेजकर उनसे भी अनुरोध किया है कि स्थानीय सार्वजनिक अवकाश घोषित करने हेतु वह उच्च स्तर पर चर्चा कर श्रद्धालुओं की भावनाओं के अनुरूप अवकाश घोषित करवाए ताकि स्थानीय श्रद्धालुओं को असुविधा न हो।

डॉ तोमर ने कहा कि शाही सवारी मन्दसौर की वर्षो पुरानी परम्परा है और इसे अनवरत बनाए रखने के लिए सभी को एक साथ मिलकर आगे आना चाहिए। साथ ही धार्मिक आयोजनों में सरकारी पाबंदियां ज्यादा नहीं होना चाहिए सुरक्षा की दृष्टि से ही कदम उठाए जाए वहीं तक ठीक है। बाकी धार्मिक आयोजन धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को परम्पराओं के अनुसार करने देने चाहिए।

माल पेश नहीं किया, कोर्ट में भी हाज़िर नहीं हुआ आरोपी, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कोर्ट के आदेश के बावजूद न तो माल पेश किया और न ही स्वयं न्यायालय में उपस्थित हुआ। ऐसे मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोरखेड़ी निवासी प्रवीणकुमार उर्फ परमानंद पुत्र रुघनाथ बावरी को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नारायणगढ़ द्वारा आदेशित किया गया था कि वह नियत तिथि पर न्यायालय में उपस्थित होकर संबंधित माल (संपत्ति/साक्ष्य) को प्रस्तुत करे। आरोपी को इस संबंध में विधिवत नोटिस तामिल भी किया गया था। इसके बावजूद आरोपी ने न तो न्यायालय में हाजिरी दी और न ही आदेशित माल पेश किया। इस लापरवाही व न्यायालय की अवमानना को गंभीरता से लेते हुए कोर्ट के आदेश पर मल्हारगढ़ पुलिस थाना ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। अब पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी की कार्रवाई भी की जा सकती है।

बीमा अस्पताल के रिश्वतखोर बाबू को चार साल की सजा, दस हजार जुर्माना

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। रिश्वत के आरोपी कर्मचारी राज्य बीमा सेवा मंदसौर के बाबू सत्यनारायण सोनी निवासी मंदसौर को विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) मंदसौर ने चार साल की सजा और दस हजार रुपये जुर्माना की सजा से दंडित किया है। सत्यनारायण सोनी पिता रामनाथ सोनी उम्र 55 वर्ष, सहायक ग्रेड 3 कर्मचारी राज्य बीमा सेवा मंदसौर को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त की टीम ने पकड़ा था।

विस्तृत जानकारी के अनुसार 15 जुलाई 2021 को आवेदिका द्वारा पुलिस अधीक्षक वि.पु.स्थापना लोकायुक्त कार्यालय उज्जैन को बाबू के संबंध में शिकायत मिली। जिसमें बताया गया कि फरियादी की एरियर राशि 02 लाख 06 हजार रुपये का बैंक खाते में भुगतान करने के एवज में सत्यनारायण सोनी द्वारा 25 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। जिस पर तत्कालीन पुलिस निरीक्षक बसन्त श्रीवास्तव द्वारा ट्रेप किया गया। जिसमें आरोपी को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। तब प्रकरण पंजीबद्ध किया गया पश्चात प्रकरण में विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से जिला अभियोजन अधिकारी गजराज सिंह चौहान द्वारा पैरवी की गई। न्यायालय द्वारा आरोपी सत्यनारायण सोनी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 07 के अंतर्गत 04 वर्ष का सश्रम कारावास एवम 10 हजार रुपये जुर्माना जमा कराने से दण्डित किया गया।

सुकन्या रक्षा अभियान आज से

मंदसौर, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। डाकघर अधीक्षक द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश डाक विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खोलने हेतु 25 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक एक विशेष ड्राइव सुकन्या रक्षा अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत मंदसौर एवं नीमच जिले में 0 से 10 वर्ष आयु तक की बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खोले जाएंगे। साथ ही बचत खाते / आरडी/टीडी आदि भी खोले जाएंगे। इस अभियान का प्रारम्भ मुख्य पोस्टमास्टर जनरल द्वारा 25 जुलाई को प्रात: 11:30 बजे भोपाल कार्यालय से किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य बालिकाओं को वित्तीय रूप से सशक्त एवं सुदृढ बनाना है। मंदसौर एवं नीमच जिले के समस्त नागरिक अपनी बालिकाओं का इस अभियान के अंतर्गत डाकघर मे सुकन्या समृद्धि/बचत खाता/आरडी/टीडी आदि खाते खुलवाकर बालिकाओं को वित्तीय रूप से सशक्त एवं सुदृढ बनावे।

लंबित आरआरसी प्रकारणों में मुद्रांक शुल्क जमा न करने वाले बकायेदारों के विरुद्ध कुर्की वारण्ट जारी-जिला पंजीयक

मंदसौर, 24 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। जिला पंजियक अधिकारी द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश भु-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 146 एवं 147 के अधिन बकायादारों द्वारा कार्यालय में लंबीत आर.आर.सी. प्रकारणों में मुद्रांक शुल्क जमा न कराये जाने वालों के विरूद्ध मांगपत्र/ कुर्की वारण्ट जारी जारी किये गए।

इन बकायेदारों में नरेन्द्रकुमार जैन पिता पूरालाल जैन निवासी सदर बाजार सुवासरा मंडी तह सुवासरा जिला मंदसौर, रजनीश पिता बंशीलाल पाटीदार निवासी पिपलिया रतन तह मल्हागढ हाल मुकाम भगवती टाउनशिप नाहरगढ, फय्याज मोहम्मद पिता युनुस मोहम्मद मुसलमान निवासी चमारी मोहल्ला नाहरगढ तह सीतामऊजिला मंदसौर, कैलाशचन्द्र राठोर पिता हीरालाल राठोर निवासी बारी दरवाजा नाहरगढ तह सीतामऊजिला मंदसौर, कमलेश कछाल पिता शिवनारायण कछाल निवासी चचोर तह मनासा हाल मुकाम माँ भगवती टाउनशिप नाहरगढ तह सीतामऊ, अर्जुन पाटीदार पिता भुवानीशंकर पाटीदार निवासी पिपलिया रतन तह मल्हारगढ हाल मुकाम माँ भगवती टाउनशिप नाहरगढ तह सीतामऊ, रामप्रसाद पाटीदार पिता कन्हैयालाल पाटीदार निवासी मगराना तह मल्हारगढ हाल मुकाम माँ भगवती टाउनशिप नाहरगढ तह सीतामऊ, सूरजमल चौधरी पिता कन्हैयालाल चौधरी निवासी रायसिंह पिपलिया तह मल्हारगढ हाल मुकाम माँ भगवती टाउनशिप नाहरगढ तह सीतामऊ, राकेश गहलोत पिता सत्यनारायण गहलोत निवासी हाटपुरा मोहल्ला नाहरगढ तह सीतामऊजिला मंदसौर, अशोक कुमार माली पिता भंवरलाल माली निवासी नाहरगढ तह सीतामऊ जिला मंदसौर, कमलाशंकर धाकड़ पिता बाबुलाल धाकड़ निवासी रायसिंह पिपलिया तह मल्हारगढ हाल मुकाम माँ भगवती टाउनशिप नाहरगढ तह सीतामऊ जिला मंदसौर, कँवरलाल चमार पिता नारायण चमार निवासी ढाबा तहसील भानपुरा जिला मंदसौर, विक्रमसिंह, देवीसिंह पुत्रगण इन्दरसिंह सौंधिया राजपूत निवासी नौगनी तहसील सीतामऊ जिला मंदसौर, आर्केडिया बिल्डर्स एंड डेवलोपर्स द्वारा भागीदार इन्दरमल पिता नन्दराम हलकारा हाल मुकाम हलकारा गली खानपुरा मंदसौर, राजेंद्रकुमार भंडारी पिता भंवरसिंह भंडारी निवासी शीतलामाता मार्ग भानपुरा तहसील भानपुरा जिला मंदसौर, जीवन पाटीदार पिता धनसुख पाटीदार निवासी अरनोदा तहसील निम्बाखेडा जिला चित्तोड़गढ राजस्थान, दीपक पाटीदार पिता भुवानीराम पाटीदार निवासी गरोठ तहसील गरोठ जिला मंदसौर। यदि बकायादारों द्वारा निश्चित दिवस के अन्दर राशि मय-आदेशिका शुल्क सहित नही चुकाई तो बकायादारों के विरूद्ध बकाया रकमों की वसुलि के लिए विधि अनुसार कार्यवाही की जायेगी। एवं चल-अचल संपत्ति कुर्की के पश्चात निलामी कर बकाया मुद्रांक शुल्क की राशि वसुल की जायेगी।

बघाना निवासी दो आरोपी जिला बदर

नीमच, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला मजिस्ट्रेंट नीमच श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा म.प्र.राज्यर सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 व 6 (ग) के अंतर्गत अनावेदक इमरान पिता शौकत हुसैन एवं अनावेदक इकराम उर्फ आला पिता शौकत हुसैन निवासी जाकिर गली बघाना को 6-6 माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया है। जिला बदर अवधि में उक्तो दोनो आरोपी मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्ञैधन, देवास, आगर मालवा सहित नीमच जिले की सीमा में बगैर लिखित अनुमति के प्रवेश नहीं कर सकेंगे। उक्ता दोनो आरोपियों के विरूद्ध पुलिस थाना बघाना में विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होकर न्याोयालय में विचाराधीन हैं।

वन्यजीवों के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा रहे

डब्ल्यूआईआई द्वारा व्यापक पारिस्थितिकीय मूल्यांकन को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर/नीमच, 24 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) द्वारा किए गए और एक वैज्ञानिक रिपोर्ट पत्रिका में प्रकाशित व्यापक पारिस्थितिकीय आकलन के अनुसार, राजस्थान राज्य के थार रेगिस्तान में 3000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में स्थापित पवन चक्कियां प्रतिवर्ष अनुमानित 1359 पक्षियों की मृत्यु के लिए जिम्मेदार हैं और देश के इस क्षेत्र में पक्षियों की मृत्यु दर देश के अन्य भागों की तुलना में काफी अधिक है। यह बात सांसद सुधीर गुप्ता ने प्रश्नकाल के दौरान कही। सांसद गुप्ता ने कहा कि सरकार ने इस क्षेत्र में पवन चक्कियों से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले पक्षियों की सूची तैयार की है। इनमें से कई प्रजातियां संकटग्रस्त प्रजातियां हैं और इन प्रजातियों के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं। उन्होने कहा कि इन टर्बाइनों को पक्षियों के लिए अधिक दृश्यमान बनाने और स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों की मृत्यु को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए उठाए जा रहे है।

प्रश्न के जवाब में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तवर्धन सिंह ने बताया कि वन्यजीवों का संरक्षण और प्रबंधन करना प्राथमिक रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों का उत्तरदायित्व है। वन्य जीव संरक्षण (अधिनियम 1972) की अनुसूचीयों में सूचीबद्ध पक्षियों सहित वन्यजीवों के संरक्षण का प्रावधान है। सरकार द्वारा देश की पक्षी प्रजातियों सहित वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कई कार्य किए जा रहे है। जिसमें वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत पूरे देश में महत्वपूर्ण वन्यजीव पर्यावासों को शामिल करके संरक्षित क्षेत्र अर्थात् राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, संरक्षण रिजर्व तथा सामुदायिक रिजर्व स्थापित किए गए हैं। मंत्रालय ने देश में आर्द्रभूमि के बेहतर संरक्षण के लिए आर्द्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियमावली, 2017 अधिसूचित की है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त वार्षिक प्रचालन योजनाओं के अनुसार, केंद्रीय प्रायोजित स्कीम -वन्य जीव पर्यावास का विकास के तहत वन्य जीवों के संरक्षण और प्रबंधन तथा उनके पर्यावासों के विकास के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती हैं। गंभीर रूप से संकटापन्न प्रजातियों तथा पर्यावासों के संरक्षण के लिए रिकवरी कार्यक्रमश् के विशिष्ट श्संघटक को वर्तमान केंद्रीय प्रायोजित स्कीम श्वन्यजीव पर्यावास का विकास में शामिल किया गया है, ताकि बस्टर्ड, एडीबल नेस्ट स्विफ्टलेट, निकोबार मेगापोड, जेरडोन्स कूरसर और वल्चर्स सहित 24 अभिजात गंभीर रूप से संकटापन्न प्रजातियों के संबंध में संकेंद्रित संरक्षण कार्रवाई की जा सके। राजस्थान सहित विभिन्न पर्यावासों में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण के लिए संरक्षित प्रजनन ग्रासलैंड का पुनर्रुद्धार और वैज्ञानिक प्रबंधन, अग्नि रोकथाम उपायों, प्रिडेटर प्रूफ फैंसिंग की स्थापना और अनुरक्षण और जीआईबी संरक्षण के लिए सामुदायिक सम्मिलन कार्यकलापों जैसे कई उपाय किए गए हैं। मंत्रालय द्वारा नवंबर 2020 में गिद्ध संरक्षण के लिए कार्य योजना शुरू की गई थी। पूरे भारत में आठ गिद्ध संरक्षण प्रजन्न केन्द्र स्थापित किए गए है। मंत्रालय ने विंड टर्बाइनों के कारण पक्षियों की क्षेत्र-वार मर्त्यता का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया है।

कार्यालय- दीपक सैनी एड०होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर

मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 24.07.2025

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि घनश्याम पिता बिहारीलाल जाति-भाट निवासी ग्राम सरवानिया तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय मकान जो भूमि सर्वेक्षण संख्यांक 346/2/1 (बी), भूखण्ड क्रमांक 154 व 155 (पी) ग्राम सरवानिया गाईड लाईन अनुसार प.ह.नं. 00133, तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर में स्थित है, जिसका सह स्वामित्व विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक-MP15IGR17852025A100644071 दिनांक 23.07.2025 से पत्नि श्रीमती श्यामुबाई पति घनश्याम जाति-भाट निवासी ग्राम सरवानिया तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर को अपना सहस्वामी बनाया गया है। उक्त मकान की चर्तु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है- चर्तु:सीमा- पूर्व में-पिकेंश पिता बापुलाल भाट का मकान, पश्चिम में -बंशीलाल पिता बिहारीलाल भाट का मकान, उत्तर में-रास्ता, दक्षिण में -स्वयं की भूमि, कुल क्षेत्रफल 171 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर घनश्याम पिता बिहारीलाल द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय

दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 26 जुलाई को शाम 5 से रात 8 और रविवार 27 जुलााई को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✻ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in